नवांकुर विद्यापीठ, गंजबासौदा

अंक : 62

क्रमशः

वार्षिक अंक, अप्रैल 2016

प्रति,

श्रीमान् ________________

____

____

अन्दर के पृष्ठों पर

सम्पादकीय	 2
अतिथि	 3
स्कूल-इन्फो	 4
रासेयो गतिविधि	 10
साहित्य सृजन	 15
परीक्षा-परिणाम	
नवांकुर	 24
डॉल्फिन	 28
बच्चों की कलम	 34

वार्षिक परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ एवं शुभाशीष!!!

नवांकुर/डॉल्फिन के आठ स्काउट्स होंगें राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित

श्रीमती अनीता सोनेवाने (डी.ओ.सी)

श्री हरिहर चतुर्वेदी (जिला बैज सचिव)

श्री ए.पी. शुक्ला (डी.ओ.सी)

रामबाबू पांचाल (स्काउट मास्टर)

शिवासिंह राजपूत

अक्षत शर्मा

नितिन रिछारिया

अक्षय तिवारी

रामकृष्ण राठौर

संदीप दांगी

अमन साहू

सौमिल जैन

नवांकुर उ.मा.वि. के आठ स्काउट्स शिवासिंह राजपूत पुत्र श्री पहलवानसिंह राजपूत, अक्षत शर्मा पुत्र श्री रमेश शर्मा, नितिन रिछारिया पुत्र श्री अनिल रिछारिया, अक्षय तिवारी पुत्र श्री मनोज तिवारी, रामकृष्ण राठौर पुत्र श्री दीवानसिंह राठौर, संदीप दांगी पुत्र श्री बलरामसिंह दांगी, अमन साहू पुत्र श्री राजू साहू एवं सौमिल जैन पुत्र श्री मनोज कुमार जैन ने राष्ट्रपति स्काउट गाइड जाँच शिविर गदपुरी हरियाणा में दिनांक 27.03.2016 से

उपलब्धियाँ

दिनांक 31.03.2016 तक सम्मिलित होकर शिविर में भागीदारी की एवं पाँच दिवसीय जाँच परीक्षण में विभिन्न सौपानों प्रवेश, प्रथम सोपान, द्वितीय सोपान, तृतीय सोपान राज्यपाल पुरस्कार एवं राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए आयोजित परीक्षाओं में सफलता अर्जित की।

इन सभी सफल स्काउट्स को राष्ट्रपति भवन दिल्ली में महामहिम द्वारा सम्मानित किया जायेगा एवं स्व हस्ताक्षरित प्रमाण–पत्र प्रदान किये जायेंगे। (उल्लेखनीय है कि इस पुरस्कार में महामहिम द्वारा स्वयं हस्ताक्षरित प्रमाण–पत्र प्रदान किया जाता है।)

स्काउट्स की इस सर्वोच्च उपलब्धि में श्री एच.एन. नेमा, जिला शिक्षाधिकारी विदिशा, श्रीमती अनीता सोनेवाने (डी.ओ.सी) श्री हरिहर चतुर्वेदी, जिला बैज सचिव, श्री ए.पी. शुक्ला, (डी.ओ.सी.) श्री विशालसिंह भदौरिया (L.T.) श्री रामबाबू पांचाल (स्काउट मास्टर) एवं आशीष मिश्रा (सहायक स्काउट मास्टर) का विशेष मार्गदर्शन एवं योगदान रहा। विद्यालय के प्राचार्य श्री शैलेन्द्र कुमार दीक्षित एवं डॉल्फिन प्राचार्य श्री रमेश कुमार शर्मा ने स्काउट्स की इस उपलब्धि पर स्काउट्स को बधाई दी।

नवांकुर की छात्रा ने चण्डीगढ़ यूनिवर्सिटी पंजाब में प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया

विदिशा जिले के लिए बड़े हर्ष और गौरव का विषय है कि कु. प्रिया शर्मा पुत्री श्री रामकुमार शर्मा ने पंजाब की चण्डीगढ़ यूनिवर्सिटी, मोहाली में 23 वीं राष्ट्रीय–बाल–विज्ञान कांग्रेस, 2015 में भाग लेकर अपना प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया।

23वीं राष्ट्रीय– बाल–विज्ञान कांग्रेस, 2015 का आयोजन दिनांक 24.12.2015 से 02.01.2016 तक पंजाब की चण्डीगढ़ यूनिवर्सिटी, मोहाली में किया गया, जिसमें नवांकुर की छात्रा कु. प्रिया शर्मा ने ''गौरेया के विलुप्त होने का कारण क्या आधुनिक मकान/अवासीय परिसर हैं'' विषय पर अपना प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया। इस आयोजन में भारत–सहित विदेशों के भी 2500 छात्र/छात्राओं ने भाग लिया और विभिन्न विषयों पर आधारित अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किये।

प्रिया की इस उपलब्धि पर उनके दल को **''चाइल्ड साइण्टिस्ट''** का स्मृति–चिन्ह, गोल्ड मेडल और प्रमाण–पत्र तथा किट देकर सम्मानित किया गया। इस दल में कु. प्रिया शर्मा के अलावा प्रवेन्द्र राजपूत, कु. साक्षी रघुवंशी, कु. रिया रघुवंशी और अक्षय तिवारी सम्मिलित थे। उल्लेखनीय है कि प्रिया की इस उपलब्धि में नगर के पर्यावरणविद् और वरिष्ठ पत्रकार श्री अनिल यादव का सतत् मार्गदर्शन प्रिया और उनके दल को प्राप्त होता रहा, जिससे वह इस मुकाम को हासिल कर सकीं। नवांकुर–परिवार ने प्रिया और उनके दल की इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए बधाई और शुभकामनाएँ दीं।

राष्ट्रीय शालेय (शतरंज) प्रतियोगिता के लिए डॉल्फिन विद्यालय की छात्रा का चयन

डॉल्फिन विद्यालय की छात्रा कु. श्रेया शिरढ़ोणकर पुत्री श्री कौस्तुभ शिरढ़ोणकर ने राज्य शालेय शतरंज प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपना नाम राष्ट्रीय शालेय शतरंज प्रतियोगिता में दर्ज कराया।

दिनांक 8 जनवरी से 12 जनवरी 2016 तक राष्ट्रीय शालेय शतरंज प्रतियोगिता नालगोन्डा (तेलंगाना) में आयोजित हुई। विद्यालय प्राचार्य एवं विद्यालय परिवार ने छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी।

उपलब्धियाँ

डॉल्फिन की छात्रा अवनि खरे ने नेशनल प्रतियोगिता में भाग लिया

नगर बासौदा और जिला विदिशा के लिए यह बड़े हर्ष और गौरव का विषय है कि डॉल्फिन स्कूल की छात्रा कु. अवनि खरे पुत्री श्री सुरेन्द्र खरे का चयन मध्यप्रदेश की खो–खो टीम के लिए किया गया, उन्होंने दिनांक 30.11. 2015 से 06.012.2015 तक राजगढ़ में आयोजित प्री–नेशनल कोचिंग में भाग लिया। राष्ट्रीय शालेय खो–खो प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 08.12.2015 से 12.12. 2015 तक खैरागढ़, जिला राजनाँदगाँव (छत्तीसगढ़) में किया गया।

उल्लेखनीय है कि दिनांक 11.10.2015 से 16.10. 2015 तक सारंगपुर में राज्य–स्तरीय खो–खो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में भोपाल–सम्भाग की ओर से नवांकुर के छात्र अंकित शर्मा कक्षा 9 तथा डॉल्फिन के तीन छात्र/छात्रा कु. हेमारानी शर्मा, कक्षा–8, नैवेद्य शर्मा, कक्षा–7, कु. अवनि खरे, कक्षा–6 ने भाग लिया। इनमें से उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर कु. अवनि खरे का चयन राष्ट्रीय खो–खो प्रतियोगिता के लिये किया गया था। कु. अवनि के खेल–प्रदर्शन में विद्यालय के क्रीड़ा–प्रभारी श्री विजय शर्मा का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा।

नवांकुर व डॉल्फिन विद्यालय–परिवार ने कु. अवनि को आशीर्वाद देकर उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

नवांकुर व डॉल्फिन के प्रोजेक्ट राज्य-स्तरीय अधिवेशन में शामिल

बाल विज्ञान–कांग्रेस का राज्य–स्तरीय– अधिवेशन दिनांक 28.11.2015 से 01.12.2015 तक देवास मे आयोजित किया गया। इस अधिवेशन में नवांकुर और डॉल्फिन के छात्रों ने अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किये।

नवांकुर विद्यापीठ की कक्षा–12 की छात्रा कु. प्रिया दुबे ने अपने ग्रुप द्वारा बनाया गया, ''गौरैया के विलुप्त होने का कारण आधुनिक परिसर है'' विषय पर, अपना प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया, वहीं डॉल्फिन के कक्षा–9 के छात्र सत्यम रघुवंशी ने अपने ग्रुप द्वारा बनाया गया, ''जलवायु–परिवर्तन का स्वास्थ्य पर प्रभाव'' विषय, पर अपना प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया।

उल्लेखनीय है कि विदिशा में आयोजित जिला–स्तरीय सीनियर ग्रुप–अधिवेशन में इन दोनों प्रोजेक्ट्स ने प्रथम स्थान प्राप्त किया था। जहाँ से इनका चयन राज्य–स्तर के लिए किया गया।

नवांकुर व डॉल्फिन विद्यालय–परिवार ने हर्षित होकर इन छात्रों को शुभकामनाएँ दीं।

नवांकुर के मोगली ने की पेंच-अभ्यारण्य की यात्रा

विदिशा के उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय जिला–स्तरीय–मोगली–महोत्सव प्रश्न–मंच का आयोजन किया गया। इसमें जिले के सभी विकासखण्डों के कनिष्ठ एवं वरिष्ठ दल सम्मिलित हुए। इस प्रश्न मंच में नवांकुर की दोनों टीमों ने बाजी मार ली। कनिष्ठ वर्ग में नवांकुर की छात्रा कु. दिव्यांशी रिछारिया, कक्षा–8 तथा डॉल्फिन के छात्र हर्ष जैन, कक्षा–7 का दल विजेता बना।

वरिष्ठ वर्ग में नवांकुर के छात्र शक्ति विश्वकर्मा, कक्षा–10 तथा उत्कृष्ट उ.मा. विद्यालय की छात्रा कु. रानी रघुवंशी, कक्षा–12 ने विजेता बनने का गौरव हासिल किया। कु. रानी रघुवंशी भी नवांकुर उ.मा. विद्यालय की पूर्व छात्रा हैं। दोनों दलों को प्रियदर्शिनी (पेंच) अभ्यारण्य सिवनी की यात्रा करने का अवसर प्राप्त हुआ। शा. उत्कृष्ट उ.मा. विद्यालय प्राचार्य श्री ज्ञान प्रकाश भार्गव तथा नवांकुर विद्यालय परिवार ने छात्रों की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएँ दीं।

उपलब्धियाँ

विज्ञान-मन्थन-यात्रा के लिए नवांकुर के 18 छात्रों का चयन

म.प्र. विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी परिषद् द्वारा मेधावी छात्र/छात्राओं के लिए आयोजित विज्ञान–मन्थन यात्रा के लिए नवांकुर विद्यापीठ के 16 तथा डॉल्फिन स्कूल के 02 छात्र/छात्राओं का चयन हुआ, जबकि सम्पूर्ण विदिशा जिले से इस यात्रा के लिए 43 छात्र/छात्राओं का चयन किया गया। इस यात्रा के लिए कक्षा 8 से कु. सीमा सौजन्य, कु. मुस्कान ठाकुर, कु. प्रार्थना लोधी, कु. शिवानी दाँगी, कु. मनु साहू तथा डॉल्फिन से कौशिक जाटव का चयन किया गया है, इन्होंने दिनांक 4 अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक भोपाल, इदौंर, उज्जैन और पीथमपुर के वैज्ञानिक महत्त्व के स्थलों का भ्रमण किया। इसी क्रम में कक्षा 9 से कु. मुस्कान दाँगी कु. सिमरन रघुवंशी और शुभम रघुवंशी का चयन किया गया, इन छात्र/छात्राओं ने दिनांक 3 अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक दिल्ली के वैज्ञानिक स्थलों का भ्रमण किया।

कक्षा 10 से कु. दीक्षा रघुवंशी, कु. रक्षा रघुवंशी, कु. रचना अहिरवार, विकास कुमार दुबे तथा डॉल्फिन से अनिरुद्ध शर्मा का चयन किया गया, इन छात्र/छात्राओं ने 01 से 11 अक्टूबर तक देहरादून के वैज्ञानिक स्थलों का भ्रमण किया। कक्षा 12 से कु. शालिनी रघुवंशी, आदित्य प्रजापति, अमित रघुवंशी और प्रवेन्द्र राजपूत का चयन किया गया, इन्होंने 30 सितम्बर से 11 अक्टूबर तक चैन्नई के वैज्ञानिक स्थलों का भ्रमण किया।

उल्लेखनीय है कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् द्वारा पिछले 9 वर्षों से विज्ञान के क्षेत्र में छात्र/छात्राओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से इस यात्रा का निरन्तर आयोजन किया जा रहा है जिसमें सम्पूर्ण मध्यप्रदेश से मेरिट लिस्ट के आधार पर 625 छात्र/छात्राओं का चयन देश के विभिन्न भागों में स्थित वैज्ञानिक महत्त्व के स्थलों के दर्शनों के लिए किया जाता है। इस यात्रा का समस्त व्यय म.प्र. शासन द्वारा किया जाता है। उपर्युक्त सभी छात्र/छात्राओं के चयन पर विद्यालय में हर्ष और उत्साह का माहौल रहा। विद्यालय–परिवार ने सभी छात्र/छात्राओं और उनके अभिभावकों को बधाई और शुभकामनाएँ दीं।

नवांकुर के दो प्रोजेक्ट बाल-विज्ञान कांग्रेस के अन्तर्गत राज्य-स्तर के लिए चयनित

बाल–विज्ञान कांग्रेस के अन्तर्गत विदिशा के शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जिला–स्तरीय प्रोजेक्ट्स का प्रस्तुतीकरण जूनियर और सीनियर स्तर पर किया गया, जिनमें से नवांकुर के दो प्रोजेक्ट्स का चयन राज्य–स्तर के लिए किया गया। चयनित प्रोजेक्ट में पहला प्रोजेक्ट ''शहरी क्षेत्र में गौरैया विलुप्त होने का कारण क्या आवासीय परिसर आधुनिक मकान हैं'' विषय पर था, जिसे समूह–नायक कु. प्रिया शर्मा एवं समूह–सदस्य कु. रिया रघुवंशी, कु. साक्षी रघुवंशी, प्रवेन्द्र राजपूत और अक्षय तिवारी ने मिलकर प्रस्तुत किया एवं वरिष्ठ वर्ग में जिला–स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। दूसरा प्रोजेक्ट ''मौसम, जलवायु एवं स्वास्थ्य'' विषय पर आधारित था, जिसे डॉल्फिन स्कूल के समूह–नायक सत्यम रघुवंशी एवं समूह सदस्य दीपक रघुवंशी, मोहित रघुवंशी एवं ऐश्वर्य डोंगरे ने प्रस्तुत किया एवं जिला–स्तर पर सीनियर वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

आवश्यक सूचना

सभी छात्र–छात्राओं को सूचित किया जाता है कि 16 जून 2016 से विद्यालय में नृत्य एवं नाट्य कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इच्छुक विद्यार्थी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी श्री रामकिशन राठौर एवं कु. वन्दना भार्गव से सम्पर्क करें।

प्रभारी–रामकिशन राठौर, मो. 9753809971

सम्पादकीय

''असफलता सफलता का प्रवेश द्वार है''

असफलता सफलता–रूपी वृक्ष का वो बीज है जिससे सही तरीके से हौंसलों की जमीं में रोपित कर और आशावादी विचारों की खाद डाल, प्रयत्नों की धूप व सबक रूपी जल से पोषित किया जाये, तो इसे सफलता का वृक्ष बनने से दुनिया को कोई ताकत नहीं रोक सकती।'' असफलता, सफल बनने की पहली सीढ़ी है, मगर उस पहली सीढ़ी से गिरकर ही मनुष्य सीढ़ियाँ चढ़ना छोड़ दे, तो उसका सफलता के मुकाम तक पहुँचना असम्भव है। असफलता से सबक सीख आगे बढ़ने का गुण तो हम सबमें जन्मजात है, मगर ताज्जुब की बात ये है कि कई बार इस गुण को भूलकर हम असफलता को नतीजा मान सफलता का प्रयास करना ही छोड़ देते हैं।

''क्यों डरें कि जिन्दगी में क्या होगा, हर वक्त क्यों सोचें कि बुरा होगा, बढ़ते रहें बस मंजिल की ओर, हमें कुछ मिले या न मिले, तजुर्बा तो नया होगा।''

ऐसे अनेकों उदाहरण हैं, जहाँ के श्रेष्ठतम लोगों ने हजारों बार असफल होने के बावजूद हिम्मत नहीं हारी और आज हम उन्हें सफलतम लोगों के रुप में पहचानते हैं और उनके जैसा बनने की सिर्फ कल्पना भर करके रह जाते हैं, जबकि उन्हीं की तरह विफल होने के बाबजूद भी हम प्रयास करते रहें तो मुमकिन है कि एकदिन उन्हीं की तरह सफलता–सूची में अपना नाम दर्ज करा लेंगे।

''जीत की खातिर बस एक जुनून चाहिए, जिसमें उबाल हो ऐसा ही खून चाहिए, ये आसमाँ भी आयेगा जमीं पर एक दिन, बस इरादों में जीत की गूँज चाहिए।'' सफलतम व्यक्तियों में माईक्रोसॉफ्ट के संस्थापक विलियम गेट्स का नाम लेना उचित होगा। एक कॉलेज ड्रापआउट होने के बावजूद उन्होंने अपने विचारों को प्रयासों के साँचे में ढाला और कई बार असफल होने के बाद दुनिया की सबसे बड़ी कम्पनी को मूर्त रूप प्रदान किया। ऐसी और भी कई मिसाले हैं, जैसे धीरुभाई अम्बानी, सहाराश्री, इत्यादि। जिस प्रकार रात के बिना दिन असम्भव है, उसी प्रकार बिना असफल हुए सफलता प्राप्त करना भी सम्भव नहीं है। उदाहरण के तौर पर गिरे बिना साईकिल चलाना कोई नहीं सीख पाता। जॉनसन एण्ड जॉनसन का कथन– "अगर मैं गलतियाँ नहीं करता, तो फैसले नहीं ले पाता,'' इस संसार में कुछ भी व्यर्थ नहीं होता। हर विफलता सीख के साथ–साथ एक अवसर भी लेकर आती है और आपके अन्दर संघर्ष करने की क्षमता भी विकसित करके जाती है। जिस प्रकार ''छाता बारिश को तो नहीं रोक सकता, लेकिन बारिश में खड़े रहने का हौंसला अवश्य देता है। इसी प्रकार आत्मविश्वास सफलता की गारण्टी तो नहीं देता, लेकिन सफलता के लिए संघर्ष की प्रेरणा अवश्य देता है।'' कोई सफर बिना स्पीड ब्रेकर के पूरा नहीं होता, ये स्पीड ब्रेकर कोई रुकावट नहीं, अपितु गति–नियन्त्रक है, जो मंजिल की ओर सधी हुई गति से जाने को कहता है। अन्त में असफलता उतना नुकसान नहीं पहुँचाती है, जितना बाद में मिली सफलता सन्तुष्टि पहुँचाती है।

''जब टूटने लगे हौसले तो इतना याद रखना, बिना मेहनत के कभी तख्त–ओ–ताज हासिल नहीं होते, ढूँढ लेते हैं जुगनू अन्धेरों में भी मंजिल, क्योंकि जुगनू कभी रोशनी के मोहताज नहीं होते।''

इसलिए अपनी असफलताओं से सबक लेकर उस प्रतिभा जो आपके अन्तर्निहित है और वह प्रतिभा है 'संघर्ष के साथ अपने मकसद हो पाने में जुट जायें'। अन्त में, मैं बस यहीं कहूँगी, दूसरों के अपेक्षा स्वयं को सफलता यदि देर से मिले, तो निराश नहीं होना चाहिए, क्योंकि मकान बनने से ज्यादा समय महल बनाने में लगता है।''

– कु. प्रीति चतुर्वेदी, सम्पादक एवं व्याख्याता

विवेकानंद जयंती पर स्वयंसेवकों ने पर्यावरण रैली निकाली

परीक्षाफल
एक नजर में

प्राथमिक विभाग

कक्षा	कुल छात्र	सम्मिलित छात्र	उत्तीर्ण छात्र	ग्रेड					प्रतिशत
				A	B	C	D	E	
शिशु 'क'	**88**	**87**	**81**	**62**	**17**	**02**	**00**	**06**	**93%**
शिशु 'ख'	**77**	**77**	**74**	**58**	**13**	**03**	**00**	**03**	**96%**
01	**97**	**97**	**97**	**63**	**30**	**04**	**--**	**--**	**100%**
02	**140**	**140**	**140**	**70**	**34**	**35**	**01**	**--**	**100%**
03	**136**	**136**	**136**	**63**	**36**	**37**	**--**	**--**	**100%**
04	**145**	**145**	**140**	**51**	**40**	**49**	**--**	**05**	**96.55%**
05	**123**	**123**	**119**	**63**	**31**	**25**	**--**	**04**	**96.74%**

माध्यमिक विभाग

कक्षा	कुल छात्र	सम्मिलित छात्र	उत्तीर्ण छात्र	ग्रेड					प्रतिशत
				A	B	C	D	E	
6th	**168**	**168**	**163**	**51**	**48**	**50**	**14**	**05**	97.02%
7th	**170**	**170**	**169**	**59**	**46**	**50**	**14**	**01**	99.41%
8th	**175**	**175**	**175**	**82**	**51**	**38**	**04**	**--**	100%

उच्चतर माध्यमिक विभाग

कक्षा	कुल छात्र	सम्मिलित छात्र	उत्तीर्ण छात्र	पूरक छात्र	अनुत्तीर्ण छात्र	श्रेणी			प्रतिशत
						प्रथम	द्वितीय	तृतीय	
9th	**267**	**267**	**210**	**30**	**27**	**124**	**60**	**26**	**78.65%**
11-C	**58**	**58**	**54**	**01**	**03**	**37**	**15**	**02**	**93.10%**
11-B	**28**	**28**	**24**	**02**	**02**	**11**	**13**	**--**	**85.71%**
11-M	**121**	**121**	**110**	**06**	**05**	**71**	**38**	**01**	**90.90%**

नवांकुर की अभिनव पहल क्रमशः वार्षिक अंक, अप्रैल 2016

कक्षावार मेरिट–सूची वर्ष 2016

कक्षा	छात्र/छात्रा का नाम	पिता का नाम	माता का नाम	प्राप्तांक	प्रतिशत	स्थान
शिशु 'क'	कु. महक अहिरवार	श्री सुरेश अहिरवार	श्रीमती आशा	195/200	97.5%	प्रथम
शिशु 'क'	कु. रागिनी मीना	श्री जसवंत मीना	श्रीमती कैलाशबाई	192/200	96%	द्वितीय
शिशु 'क'	कु. प्रियंका मालवीय	स्व. श्री गोलू मालवीय	श्रीमती लक्ष्मी मालवीय	192/200	96%	द्वितीय
शिशु 'क'	संस्कार किरार	श्री वासुदेव किरार	श्रीमती सीमा किरार	190/200	95%	तृतीय
शिशु 'ख'	कु. सुहानी विश्वकर्मा	श्री दिनेश विश्वकर्मा	श्रीमती प्रीति	198/200	99%	प्रथम
शिशु 'ख'	देवेश गुर्जर	श्री महाराजसिंह	श्रीमती कविता गुर्जर	193/200	96.5%	द्वितीय
शिशु 'ख'	कु. आयुषी अहिरवार	श्री विनोदकुमार	श्रीमती प्रीति	190/200	95%	द्वितीय
कक्षा–1	शिवम दाँगी	श्री महेश दाँगी	श्रीमती रश्मि दाँगी	920/930	99%	प्रथम
कक्षा–1	कु. ज्योति दाँगी	श्री ब्रजमोहन दाँगी	श्रीमती सुषमा दाँगी	887/930	95.35%	द्वितीय
कक्षा–1	प्रिन्ससिंह दाँगी	श्री कल्लूसिंह दाँगी	श्रीमती रुक्मणिबाई	884/930	95.05%	तृतीय
कक्षा–2	कु. समीक्षा कुशवाह	श्री नवलसिंह कुशवाह	श्रीमती शशि कुशवाह	915/930	98.38%	प्रथम
कक्षा–2	विवेक दाँगी	श्री अवधेशसिंह दाँगी	श्रीमती कविता	900/930	96.77%	द्वितीय
कक्षा–2	कु. पायल साहू	श्री हुकुमसिंह साहू	श्रीमती रामवती साहू	896/930	96.34%	तृतीय
कक्षा–3	कृष राठौर	श्री विजयसिंह	श्रीमती विनीता	1137/1150	98.86%	प्रथम
कक्षा–3	शिशुपाल कुशवाह	श्री वीरसिंह	श्रीमती श्रीबाई	1120/1150	97.39%	द्वितीय
कक्षा–3	विष्णुप्रसाद लोधी	श्री आशाराम	श्रीमती रामकली	1111/1150	96.60%	तृतीय
कक्षा–3	गौतम दाँगी	श्री रामबाबू दाँगी	श्रीमती निशा दाँगी	1111/1150	96.60%	तृतीय
कक्षा–4	कु. सुहानी रघुवंशी	श्री रामकृष्ण रघुवंशी	श्रीमती भूरीबाई	1107/1150	96.26%	प्रथम
कक्षा–4	कीर्ति बघेल	श्री लक्ष्मणसिंह बघेल	श्रीमती रुपवती बघेल	1102/1150	95.82%	द्वितीय
कक्षा–4	सौरभ शर्मा	श्री राजेश शर्मा	श्रीमती रेखाबाई शर्मा	1100/1150	95.65%	तृतीय
कक्षा–5	कु. रितिका कुर्मी	श्री रामकेश कुर्मी	श्रीमती रश्मि कुर्मी	1137/1150	98.86%	प्रथम
कक्षा–5	कु. खुशी साहू	श्री शोभाराम साहू	श्रीमती विनीता साहू	1128/1150	98.08%	द्वितीय
कक्षा–5	अरबाज खाँ	श्री फरीद खाँ	श्रीमती अफसाना बी	1128/1150	98.08%	द्वितीय
कक्षा–5	सत्यम बघेल	श्री देवेन्द्रसिंह	श्रीमती राजकुमारी	1126/1150	97.91%	तृतीय
कक्षा–6	कु. विपाशा दाँगी	श्री राघवेन्द्र दाँगी	श्रीमती रमाबाई	1683/1710	98.42%	प्रथम
कक्षा–6	कु. प्रियांशी कुर्मी	श्री कृपालसिंह	श्रीमती रानी कुर्मी	1648/1710	96.38%	द्वितीय
कक्षा–6	निखिल बघेल	श्री केशवसिंह	श्रीमती भारती बघेल	1644/1710	96.14%	तृतीय

परीक्षा-परिणाम

कक्षा	छात्र/छात्रा का नाम	पिता का नाम	माता का नाम	प्राप्तांक	प्रतिशत	स्थान
कक्षा–7	कु. प्रियंका रघुवंशी	श्री पूरनसिंह	श्रीमती शिवकुमारी	1689/1710	98.77%	प्रथम
कक्षा–7	कु. रौनक दाँगी	श्री रामावतारसिंह	श्रीमती अंजना	1665/1710	97.36%	द्वितीय
कक्षा–7	कु. तनु साहू	श्री ओमप्रकाश	श्रीमती सविताबाई	1645/1710	96.19%	तृतीय
कक्षा–8	कु. मुस्कान ठाकुर	श्री बाबूसिंह ठाकुर	श्रीमती क्रांति	1703/1710	99.59%	प्रथम
कक्षा–8	मनु साहू	श्री ब्रजेश रोशन	श्रीमती सीमा साहू	1703/1710	99.59%	प्रथम
कक्षा–8	कु. स्नेहा रघुवंशी	श्री ब्रजेन्द्र सिंह	श्रीमती ममता रघुवंशी	1700/1710	99.41%	द्वितीय
कक्षा–8	कु. मोना दाँगी	श्री बलवीरसिंह	श्रीमती चन्दाबाई	1693/1710	99%	तृतीय
कक्षा–9	कु. तनु ठाकुर	श्री बाबूसिंह	श्रीमती क्रांति	584.6/600	97.4%	प्रथम
कक्षा–9	कु. अपूर्वा रघुवंशी	श्री अजीतसिंह	श्रीमती प्रीति	581.4/600	96.9%	द्वितीय
कक्षा–9	कु. सुरभि कुर्मी	श्री खुमानसिंह	श्रीमती जयंति कुर्मी	578.8/600	96.4%	तृतीय
कक्षा–11 वाणिज्य	कु. ममता जैन	श्री हरिनारायण मैना	श्रीमती लक्ष्मीबाई	462.4/500	92.48%	प्रथम
	कु. समीक्षा जैन	श्री जयकुमार जैन	श्रीमती रीना जैन	453/500	90.60%	द्वितीय
	कु. सौम्या बघेल	श्री जीवनसिंह बघेल	श्रीमती लता बघेल	452.8/500	90.56%	तृतीय
कक्षा–11 बायो.	कु. मधु दाँगी	श्री प्रभानसिंह दाँगी	श्री राजकुमारी दाँगी	425.60/500	85.12%	प्रथम
	कु. ज्योति विशोरिया	श्री कन्छेदीलाल	श्रीमती ममताबाई	396.60/500	79.32%	द्वितीय
	कु. रोनित बघेल	श्री गोपालसिंह बघेल	श्रीमती लक्ष्मी बघेल	367.7/500	73.54%	तृतीय
कक्षा–11 गणित	कु. मनीषा शर्मा	श्री बालाराम शर्मा	श्रीमती अनीता	474.5/500	94.90%	प्रथम
	आयुष अग्रवाल	श्री मनोज कुमार	श्रीमती सविता	473.7/500	94.74%	द्वितीय
	कु. केशू जैन	श्री विकास कुमार	श्रीमती उर्मिला	462.6/500	92.52%	तृतीय
कक्षा – 11 (नवांकुर–अंग्रेजी माध्यम) गणित एवं बायोलॉजी						
कक्षा–11 गणित/बायो	नितिन रिछारिया	श्री अनिल कुमार	श्रीमती नीता	452.2/500	90.44%	प्रथम
	अक्षय कुमार तिवारी	श्री मनोज कुमार	श्रीमती सरिता	413.2/500	82.64%	द्वितीय
	कु. ऋचा माथुर	श्री राजेन्द्र कुमार	श्रीमती सुनीता देवी	345.1/500	69.02%	तृतीय

मेरिट वाले सभी छात्र-छात्राओं को विद्यालय-परिवार की ओर से **हार्दिक बधाई......!**

परीक्षा-परिणाम

विभिन्न कक्षाओं में विशिष्ट योग्यता वाले विद्यार्थी

क्र.	छात्र/छात्रा का नाम	पिता का नाम	कक्षा	विषय	प्राप्तांक
1.	कु. महक अहिरवार	श्री सुरेश अहिरवार	शिशु 'क'	हिन्दी	50/50
2.	कु. सुहानी विश्वकर्मा	श्री दिनेश विश्वकर्मा	शिशु 'ख'	गणित	50/50
3.	कु. काजल राजपूत	श्री बादामसिंह राजपूत	शिशु 'ख'	गणित	50/50
4.	कु. वैष्णवी रघुवंशी	श्री हेतसिंह रघुवंशी	शिशु 'ख'	गणित	50/50
5.	कु. सृष्टि शर्मा	श्री उमेश शर्मा	शिशु 'ख'	गणित	50/50
6.	शिवम दांगी	श्री महेश दांगी	एक 'ब'	गणित	99/100
7.	कु. पायल साहू	श्री हुकुमसिंह साहू	दो 'द'	गणित	99/100
8.	कु. समीक्षा कुशवाह	श्री नवलसिंह कुशवाह	दो 'द'	पर्यावरण	99/100
9.	प्रशांत भोई	श्री देवराजसिंह भोई	दो 'स'	गणित	99/100
10.	रीतेशकुमार भोई	श्री लालाराम भोई	दो 'स'	गणित	99/100
11.	कु. विशाखा धाकड़	श्री प्रेमसिंह धाकड़	दो 'स'	पर्यावरण	99/100
12.	कृष राठौर	श्री विजयसिंह राठौर	तीन 'अ'	अंग्रेजी	99/100
13.	विश्वजीत राठौर	श्री शक्तिसिंह राठौर	तीन 'अ'	अंग्रेजी	99/100
14	कु. महिमा दाँगी	श्री शम्भूसिंह दाँगी	चार 'स'	पर्यावरण	100/100
15.	राजकुमार गुप्ता	श्री प्रवीण गुप्ता	चार 'स'	पर्यावरण	100/100
16.	सुहानी रघुवंशी	श्री रामकृष्ण रघुवंशी	चार 'द'	पर्यावरण	100/100
17.	कु. रितिका कुर्मी	श्री रामकेश कुर्मी	पाँच 'ब'	हिन्दी, अंग्रेजी	99,100/100
18.	सत्यम बघेल	श्री देवेन्द्रसिंह बघेल	पाँच 'ब'	गणित	99/100
19.	कु. निधि शर्मा	श्री राजेन्द्र शर्मा	पाँच 'अ'	अंग्रेजी	99/100
20.	कु. मानसी तिवारी	श्री राजेशकुमार तिवारी	पाँच 'अ'	अंग्रेजी	99/100
21.	अरबाज खाँ	श्री फरीद खाँ	पाँच 'अ'	गणित	99/100
22.	कु. खुशी साहू	श्री शोभाराम साहू	पाँच 'अ'	गणित	99/100
23.	कु. बिपाशा दाँगी	श्री राघवेन्द्र दाँगी	छह	गणित	100/100
24.	कु. प्रियंका रघुवंशी	श्री पूरनसिंह रघुवंशी	सात	विज्ञान	100/100
25.	विशाल दाँगी	श्री अवधेश दाँगी	सात	विज्ञान	100/100
26.	कु. शैफाली राठौर	श्री विजयसिंह राठौर	सात	विज्ञान	100/100
27.	कु. मुस्कान ठाकुर	श्री बाबूसिंह ठाकुर	आठ	हिन्दी,संस्कृत,वि.	100/100
28.	कु. मोना दाँगी	श्री बलबीर सिंह	आठ	विज्ञान	100/100
29.	कु. सीमा सौजन्य	श्री कुमरसिंह सौजन्य	आठ	गणित	100/100
30.	कु. स्नेहा रघुवंशी	श्री ब्रजेन्द्र सिंह	आठ	संस्कृत, हिन्दी	100/100
31.	कु. प्रार्थना लोधी	श्री हरिनारायण लोधी	आठ	विज्ञान	100/100
32.	कु. शिवानी दाँगी	श्री गब्बरसिंह	आठ	संस्कृत	100/100
33.	कीर्ति रघुवंशी	श्री वीरसिंह रघुवंशी	आठ	गणित	100/100
34	मनु साहू	श्री ब्रजेश रोशन	आठ	गणित, विज्ञान	100/100
35.	कु. ममता मैना	श्री हरिनारायण मैना	11 (वाणि)	व्याव. अर्थशास्त्र	100/100

परीक्षा-परिणाम

RESULT
At a Glance 2016

Class	Total Students	Appeared Students	Pass Students	Grade					Percent
				A	B	C	D	E	
Nursery	217	217	208	189	15	04	-	09	95.8%
KG-I	281	281	280	209	49	19	03	01	99.6%
KG-II	173	173	173	115	29	19	10	-	100%
Std.-I	122	122	122	88	25	09	-	-	100%
Std.-II	115	114	113	60	29	22	02	01	99.12%
Std.-III	102	102	101	55	26	18	02	01	99%
Std.-IV	98	98	98	58	20	15	05	-	100%
Std.-V	75	75	75	34	25	10	04	-	100%
Std.-VI	69	69	69	32	16	16	05	-	100%
Std.-VII	73	73	73	28	22	19	04	-	100%
Std.VIII	64	64	63	30	22	09	02	01	98.43%
Std.-IX	55	55	52	19	15	13	05	03	94.54%

DOLPHIN

The School of Wisdom
From the houseof
NAVANKUR

Merit List - 2016

Class	Student's name	Father's name	Mother's name	Marks	Rank	Per.
Nur.	Ku. Harshita Raghuwanshi	Mr. Hitesh	Mrs. Neetu	200/200	I	100%
	Arnav Gupta	Mr. Chandresh	Mrs. Ankita	200/200	I	100%
	Ku. Harshita Raghuwanshi	Mr. Niranjan	Mrs. Rashmi	200/200	I	100%
	Shekh Rehan	Mr. Shekh Shafik	Mrs. Shekh Shaili	200/200	I	100%
	Ku. Veshnavi Bhargav	Mr. Gajanand	Mrs. Sunita	200/200	I	100%
	Ku. Anshika Parihar	Mr. Virendra	Mrs. Umabai	200/200	I	100%
	Ku. Nitya Vishwakarma	Mr. Roop Narayan	Mrs. Vinita	200/200	I	100%
	Ku. Siddhi Yadav	Mr. Sanju Yadav	Mrs. Neeta	200/200	I	100%
	Ku. Shreya Raghuwanshi	Mr. Mohan Singh	Mrs. Varsha	199/200	II	99.5%
	Ku. Shreyansh Kushwaha	Mr. Santosh	Mrs. Reema	199/200	II	99.5%
	Anay Bhavsar	Mr. Harish	Mrs. Nisha Bhavsar	199/200	II	99.5%
	Ku. Divyanshi Sahu	Mr. Vikas	Mrs. Nisha Sahu	199/200	II	99.5%
	Ku. Sapna Raghuwanshi	Mr. Brijendra	Mrs. Sulekha	199/200	II	99.5%

परीक्षा-परिणाम

Class	Student's name	Father's name	Mother's name	Marks	Rank	Per.
Nur.	Ku. Sachi Jain	Mr. Adesh Jain	Mrs. Poonam	199/200	II	99.5%
	Ku. Sakshi Raghuwanshi	Mr. Surendra Singh	Mrs. Rachna	199/200	II	99.5%
	Ku. Arna Jain	Mr. Ambar Jain	Mrs. Mayuri Jain	199/200	II	99.5%
	Pramendra Meena	Mr. Raju Meena	Mrs. Sunita Meena	198/200	III	99%
	Vihan Goud	Mr. Ramkumar	Mrs. Pravesh Goud	198/200	III	99%
	Samarth Arora	Mr. Rakesh	Mrs. Neetu	198/200	III	99%
	Ku. Vanshika	Mr. Rohit Vaswani	Mrs. Sadhana	198/200	III	99%
	Ku. Prachi Rajput	Mr. Rajendra Singh	Mrs. Saroj	198/200	III	99%
	Shivam Kushwaha	Mr. Diman Singh	Mr. Ramwati	198/200	III	99%
	Abhay Kurmi	Mr. Krishna Murari	Mr. Pooja Devi	198/200	III	99%
	Ku. Ananya Rajput	Mr. Jitendra	Mr. Prabha	198/200	III	99%
KG-IA	Ku. Dishita Namdeo	Mr. Krishanakant	Mrs. Sangeeta	200/200	I	100%
KG-IA	Ku. Koushki Dubey	Mr. Pradeep	Mr. Laxmi	200/200	I	100%
KG-IE	Abhijeet Sarkar	Mr. Ajay Sarkar	Mrs. Mousumi	200/200	I	100%
KG-IE	Ku. Preeti Raghuwanshi	Mr. Gajendra Singh	Mrs. Rachna	200/200	I	100%
KG-IA	Ku. Nandini Khatik	Mr. Deepak	Mrs. Jyoti	199/200	II	99.5%
KG-IA	Ku. Aarohi Samiya	Mr. Amit	Mrs. Seema	199/200	II	99.5%
KG-IB	Ku. Soumya Dubey	Mr. Girish Dubey	Mrs. Sapna	199/200	II	99.5%
KG-ID	Ku. Manya Jakate	Mr. Kritesh	Mrs. Varsha	199/200	II	99.5%
KG-ID	Tejas Richhariya	Mr. Rudra	Mrs. Arti	198/200	III	99%
KG-IIA	Ku. Tanushri Agrawal	Mr. Ashvini	Mrs. Nandini	200/200	I	100%
KG-IIA	Shiva Raghuwanshi	Mr. Jitendra	Mrs. Vandana	200/200	I	100%
KG-IIC	Ku. Anmol Khilwani	Mr. Manoj Kumar	Mrs. Ritika	198/200	II	99%
KG-IIC	Ku. Astha Raghuwanshi	Mr. Jagat Singh	Mrs. Mamta	198/200	II	99%
KG-IIC	Ku. Swati Sharma	Mr. Chandra	Mrs. Roshni	198/200	II	99%
KG-IIA	Ku. Nishi Arora	Mr. Santosh	Mrs. Dipika	197/200	II	98.5%
KG-IID	Ishan Saini	Mr. Suresh	Mrs. Sunita	197/200	II	98.5%
KG-IIE	Piyush Raghuwanshi	Mr. Vijay	Mrs. Jayanti	197/200	II	98.5%
I	Ku. Anushka Sharma	Mr. Deepak	Mrs. Manorama	926/930	I	99.5%
	Ku. Khushi Jain	Mr. Pankaj	Mrs. Bharti	925/930	II	99.4%
	Ku. Shree Sharma	Mr. Pawan	Mrs. Megha	917/930	III	99%
	Ku. Aditi Lodhi	Mr. Omkar Singh	Mrs. Vimlesh	917/930	III	99%
II	Ku. Bipasha Thakur	Mr. Rajendra	Mrs. Lekhni	926/930	I	99.5%
	Darsheel Shrivastava	Mr. Rakesh	Mrs. Preeti	914/930	II	98.2%
	Ku. Akrati Shrivastava	Mr. Aditya	Mrs. Kirti	909/930	III	97.7%

परीक्षा-परिणाम

Class	Student's name	Father's name	Mother's name	Marks	Rank	Per.
III	Ku. Sonam Meena	Mr. Raghuveer	Mrs. Sheela	1145/1150	I	99.5%
	Ku. Saloni Vishwakarma	Mr. Ramsevak	Mrs. Meera Bai	1143/1150	II	99.3%
	Ku. Udita Agrawal	Mr. Neelesh	Mrs. Meena	1130/1150	III	98.2%
IV	Ku. Niharika Tiwari	Mr. Sushil	Mrs. Alpna	1138/1150	I	98.9%
	Ku. Avni Jain	Mr. Rajiv	Mrs. Rajni	1133/1150	II	98.5%
	Vikas Raghuwanshi	Mr. Rajendra	Mrs. Uma	1119/1150	III	97.3%
V	Kanishk Richhariya	Mr. Pawan	Mrs. Nidhi	1112/1150	I	96.69%
	Yash Raghuwanshi	Mr. Yogesh	Mrs. Vinita	1105/1150	II	96.08%
	Sarvang Sharma	Mr. Rakesh	Mrs. Preeti	1101/1150	III	95.73%
VI	Khushi Raghuwanshi	Mr. Khilan Singh	Mrs. Rano	1629/1710	I	95.26%
	Akshada Deshpande	Mr. Manish	Mrs. Ratna	1611/1710	II	94.21%
	Rahul Vadhwani	Mr. Ram	Mrs. Ritu	1606/1710	III	93.91%
VII	Harsh Jain	Mr. Manoj Jain	Mrs. Preeti Jain	1660/1710	I	97.07%
	Gourav Dangi	Mr. Shivbhan Singh	Mrs. Mamta Bai	1620/1710	II	94.73%
	Anshul Meena	Mr. Raghuveer	Mrs. Sheela	1602/1710	III	93.68%
VIII	Kanupriya Mehta	Mr. Rajendra	Mrs. Vandana	1648/1710	I	96.37%
	Chitranshi Shrivastava	Mr. Omprakash	Mrs. Madhu	1622/1710	II	94.85%
	Priyansh Shrivastava	Mr. Mukesh	Mrs. Seema	1601/1710	III	92.92%
IX	Shilpi Raghuwanshi	Mr. Yujvendra	Mrs. Vinita	573.2/600	I	95.53%
	Satyam Raghuwanshi	Mr. Sanjay	Mrs. Asha	573.0/600	II	95.50%
	Pranjal Jain	Mr. Sunil Jain	Mrs. Seema	556.8/600	III	92.80%

Congratulation....!

परीक्षा-परिणाम

DOLPHIN

List of getting 100% marks

S.N.	Student's Name	Father' Name	Class	Subject	Marks
1.	Ku. Anushka Sharma	Mr. Deepak	I	All Subject	100/100
2.	Ku. Khushi	Mr. Pankaj	I	Eng./Hin./E.V.S.	100/100
3.	Shree Sharma	Mr. Pawan Kumar	I	Hindi/E.V.S.	100/100
4.	Ku. Nimisha Tiwari	Mr. Sushil	I	E.V.S.	100/100
5.	Arshan Khan	Mr. Kasim	I	Hindi	100/100
6.	Maulik Jain	Mr. Sachin	I	English	100/100
7.	Ku. Ankita Rajput	Mr. Ajay Shankar	I	English	100/100
8.	Pradyumn Tiwari	Mr. Raju	I	Maths	100/100
9.	Dhruv Shrivastava	Mr. Neeraj	I	E.V.S.	100/100
10.	Ku. Hrishika Raghu.	Mr. Rajaram	I	English	100/100
11.	Rishabh Lodhi	Mr. Yogesh	I	English	100/100
12.	Ku. Mahi Jain	Mr. Manish Jain	I	Hindi	100/100
13.	Bipasha Thakur	Mr. Rajendra	II	English/ Hindi	100/100
14.	Darsheel Shrivastava	Mr. Rakesh	II	English/ Hindi	100/100
15.	Aakrati Shrivastava	Mr. Aaditya	II	English/ Hindi	100/100
16.	Ramya Jain	Mr. Shiv Kumar	II	Hindi/ E.V.S.	100/100
17.	Praneta Namdev	Mu. Mukesh	II	E.V.S.	100/100
18.	Shivansh Raghuwanshi	Mr. Kamlesh	II	E.V.S.	100/100
19.	Yatish Mishra	Mr. Yogesh	II	E.V.S.	100/100
20.	Joyal Raghuwanshi	Mr. Surendra	II	E.V.S.	100/100
21.	Sarika Dubey	Mr. Mahendra	II	E.V.S.	100/100
22.	Saloni Vishwakarma	Mr. Ramsevak	III	Eng./Maths	100/100
23.	Yuvraj Rajpoot	Mr. Surendra Singh	III	English	100/100
24	Palak Raghuwanshi	Mr. Devendra	III	Maths	100/100
25.	Aditya Meena	Mr. Balbeer Singh	III	Maths	100/100
26.	Sonam Meena	Mr. Raghuveer Singh	III	Hin/Maths/EVS	100/100
27.	Sejal Dubev	Mr. Narayan Prasad	III	E.V.S.	100/100
28.	Soumy Jain	Mr. Mukesh	III	Maths	100/100
29.	Udita Agrawal	Mr. Neelesh	III	Maths/ E.V.S.	100/100
30.	Niharika Tiwari	Mr. Sushil	IV	English/Math	100/100
31.	Nikhil Dangi	Mr. Rajendra	IV	E.V.S.	100/100
32.	Shivam Vishwakarma	Mr. Manish	IV	Math	100/100
33.	Vikas Raghuwanshi	Mr. Rajendra	IV	E.V.S.	100/100
34	Avni Jain	Mr. Rajiv	IV	Eng./E.V.S.	100/100
35	Ishu Vishwakarma	Mr. Mahesh	IV	English	100/100

स्कूल इन्फो

नवांकुर में काव्य-पाठ व काव्य-प्रदर्शनी का भव्य-आयोजन

दिनांक 10.10.2015 को नवांकुर के विस्तार–भवन में बौद्धिक प्रकोष्ठ द्वारा कविता पोस्टर–प्रदर्शनी और काव्य–पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें अतिथि के रूप में भोपाल से पधारे मध्यप्रदेश हिन्दी साहित्य–सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. पलाश सुरजन, बी.एस.एन.एल के ए.जी.एम. व समकालीन कवि डॉ. राग तैलंग, नगर के साहित्यकार डॉ. मोहन जी नागर तथा अंग्रेजी के प्राध्यापक और साहित्यकार डॉ. मणिमोहन मेहता भी उपस्थित थे। इस अवसर पर कार्यक्रम के प्रथम चरण में अतिथियों ने सरस्वती–पूजन किया।

संगीत–विद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती–वन्दना व राग केदार की प्रस्तुति दी गयी। रासेयो की स्वयंसेवक कु. पूजा लोधी व कु. शिवानी जायसवाल ने अतिथियों को तिलक लगाया व प्राचार्य श्री शैलेन्द्र दीक्षित ने स्वागत–भाषण दिया। तत्पश्चात् अतिथियों द्वारा कविता–पोस्टर–प्रदर्शनी का उद्घाटन किया, जो नगर के साहित्यकार श्री मोहन जी नागर के निर्देशन में विस्तार–भवन में लगायी गयी थी। यह प्रदर्शनी विद्यालय में दो दिन तक लगी रही।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में नवांकुर (हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम) के छात्रों नितिन रिछारिया, कु. दीपाली शर्मा, अक्षय श्रीवास्तव, कु. प्रज्ञा श्रीवास्तव और कु. अंजली रघुवंशी द्वारा स्वरचित कविताओं का पाठ किया गया। इस अवसर पर समकालीन कवि डॉ. राग तैलंग जी ने कहा कि ‘कविता जिन्दगी की राह में ठोकर लगने से बचाती है’। डॉ. पलाश सुरजन विद्यालय की प्रबन्ध–व्यवस्था को देखकर अभिभूत हुए, उन्होंने हिन्दी साहित्य–सम्मेलन की तरफ से सत्यजीत रे द्वारा लिखित कहानियों के चार संग्रह नवांकुर को भेंट किये। डॉ. मोहन जी नागर ने अपने सम्बोधन में छात्रों से कविता लिखने का आह्वान किया। डॉ. मणिमोहन मेहता जी ने ‘छुटकी’ और ‘गौरैया’ कविता सुनकर श्रोताओं का मन मोह लिया। विद्यालय के सचिव श्री रमेश शर्मा जी द्वारा भी स्वरचित कविता –‘जिन्दगी करवट बदलती है’ का वाचन किया गया।

कार्यक्रम के तृतीय चरण में विद्यार्थियों का अतिथियों के साथ संवाद हुआ, जिसमें नितिन रिछारिया, दीपाली शर्मा, प्रज्ञा श्रीवास्तव और वैशाली रघुवंशी द्वारा अतिथियों से साहित्य पर आधारित सवाल पूछे गये, जिनका अतिथियों द्वारा उचित उत्तर दिया गया। तत्पश्चात् डॉ. नारंग द्वारा कविता करने वाले छात्रों को पुस्तकें भेंट में देकर पुरस्कृत किया गया। विद्यालय–परिवार द्वारा डॉ. पलाश सुरजन, डॉ. राग तैलंग जी का शॉल, श्रीफल और विद्यालय के प्रतीक–चिन्ह द्वारा तथा डॉ. मोहन नागर व डॉ. मणिमोहन मेहता को प्रतीक–चिन्ह भेंट देकर सम्मानित किया गया।

सन्दीप रावत और डॉ. मणिमोहन मेहता द्वारा कार्यक्रम का सचालन किया गया तथा डॉ. मणिमोहन मेहता द्वारा अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

युवा–दिवस पर नवांकुर में सूर्य–नमस्कार एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

नवांकुर विद्यापीठ में दिनांक 12.01.2016 को युवा दिवस पर युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानन्द जी की जयन्ती के उपलक्ष्य में नवांकुर विद्यापीठ के नवीन परिसर में राष्ट्रीय सेवा–योजना के तत्त्वावधान में सूर्य–नमस्कार एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसमें रासेयो के स्वयं–सेवकों ने बड़े उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर विद्यालय के 800 छात्र–छात्राओं ने सूर्य–नमस्कार किया। विद्यालय के प्राचार्य श्री शैलेन्द्र कुमार दीक्षित सहित विद्यालय–परिवार के अन्य शिक्षक/शिक्षिकाओं ने भी सूर्य नमस्कार में भाग लिया।

स्कूल इनफो

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा नवांकुर में सुलेख और चित्रकला-प्रतियोगिता

नवांकुर विद्यापीठ के विस्तार–भवन में भारतीय स्टेट बैंक के सौजन्य से राष्ट्रीय सेवा–योजना के तत्त्वावधान में कक्षा 6 से कक्षा 10 तक के छात्र/छात्राओं के लिए सुलेख और चित्रकला–प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के 160 छात्र/छात्राओं ने भाग लिया। प्रत्येक कक्षा के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय तथा दो अन्य छात्रों को सान्त्वना–पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर बैंक के उप–प्रबन्धक श्री मोहनलाल सुलैया व श्री कृष्णकान्त दुबे, नवांकुर के प्राचार्य श्री शैलेन्द्र दीक्षित तथा विद्यालय के अन्य शिक्षक/शिक्षिकाएँ उपस्थित थे। सुलेख लेखन प्रतियोगिता में कक्षा 6 में कु. अनुमति जेतली ने प्रथम, कु. बिपाशा दाँगी ने द्वितीय, कु. भाग्यश्री लोधी ने तृतीय, कु. विभा मीना ने चतुर्थ और कु. चन्द्रिका सेंगर ने पंचम स्थान प्राप्त किया। कक्षा 7 में कु. प्रियंका रघुवंशी ने प्रथम, कु. रौनक दाँगी ने द्वितीय, कु. शैफाली राठौर ने तृतीय, कु. पूर्वी सेन ने चतुर्थ और सौरभ सेन ने पंचम स्थान

प्राप्त किया । कक्षा 8 में कु. सीमा सौजन्य ने प्रथम, कु. खुशी शर्मा ने द्वितीय, कु. रिषिका जैन ने तृतीय, प्रतीक राजपूत ने चतुर्थ और कु. कीर्ति रघुवंशी ने पंचम स्थान प्राप्त किया। कक्षा 9 में अक्षय श्रीवास्तव ने प्रथम, कु. आस्था दुबे ने द्वितीय, कु. तनु ठाकुर ने तृतीय, कु. शिवानी राय ने चतुर्थ और कु. आरती कुशवाह ने पंचम स्थान प्राप्त किया। कक्षा 10 में सुदीप सिंह दाँगी ने प्रथम, कु. शिवानी विश्वकर्मा ने द्वितीय कु. रंजना अहिरवार ने तृतीय, कु. अंजली नामदेव ने चतुर्थ और अमित दाँगी ने पंचम स्थान प्राप्त किया।

चित्रकला–प्रतियोगिता में कक्षा 6 में कु. स्नेहा चौकसे ने प्रथम, निखिल बघेल ने द्वितीय, शरद विश्वकर्मा ने तृतीय, कु. साक्षी रघुवंशी ने चतुर्थ और कु. महक दाँगी ने पंचम स्थान प्राप्त किया। कक्षा 7 में स्वप्निल शर्मा ने प्रथम, कु. आस्था रघुवंशी ने द्वितीय, कु. शिखा रघुवंशी ने तृतीय, कु. शीतल कुशवाह ने चतुर्थ और कु. मेहराज बानो ने पंचम स्थान प्राप्त किया। कक्षा 8 में कु. प्रार्थना लोधी ने प्रथम, कु. मनीषा यादव ने द्वितीय, कु. महक मिश्रा ने तृतीय, कु. शिवानी दाँगी ने चतुर्थ और कु. सन्ध्या मीणा ने पंचम स्थान प्राप्त किया। कक्षा 9 में कु. दीक्षा दुबे ने प्रथम, अमित महेश्वरी ने द्वितीय, अंशुल श्रीवास्तव ने तृतीय, अनिकेत रघुवंशी ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया और कक्षा 10 में विशाल रघुवंशी ने प्रथम, स्नेह श्रीवास्तव ने द्वितीय, कु. ज्योति विश्वकर्मा ने तृतीय, कु. सलोनी सेन ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

विद्यालय–परिवार ने सभी पुरस्कृत छात्र/छात्राओं को आशीर्वाद और शुभकामनाएँ प्रदान कीं।

नवांकुर की छात्रा मुस्कान जिला स्तरीय कविता–पाठ में प्रथम

म.प्र. शासन द्वारा देशभक्ति पर आधारित आयोजित जिला–स्तरीय कविता–पाठ प्रतियोगिता, विदिशा में नवांकुर की छात्रा कु. मुस्कान मालवीय पुत्री श्री चन्द्रेश मालवीय, कक्षा–8 ने प्रथम स्थान अर्जित किया है। इस उपलब्धि पर छात्रा को 1000/– रुपये का पुरस्कार और प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि कु. मुस्कान मालवीय ने पूर्व में विकासखण्ड–स्तर पर आयोजित काव्य–पाठ–प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर जिला–स्तरीय–प्रतियोगिता में भाग लेने की पात्रता प्राप्त की थी। इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार ने छात्रा को आशीर्वाद और शुभकामनाएँ दीं।

स्कूल इन्फो

नवांकुर में कैरियर मार्गदर्शन के लिए सेमीनार आयोजित

नवांकुर विद्यापीठ में दिनांक 14.01.2016 को कोगनिसियो संस्था द्वारा हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी विभाग के छात्र–छात्राओं के लिए कैरियर–मार्गदर्शन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में आई.आई.टी. खड़गपुर से पधारे श्री उत्कर्ष शिलाकारी एवं एन.आई.टी. भोपाल से पधारे श्री मृदुल परिहार ने कैरियर के सम्बन्ध में छात्र–छात्राओं का मार्गदर्शन किया और उन्हें मेडिकल और इंजीनियरिंग, कॉमर्स,

लॉ–प्रबन्धन, भारतीय प्रशासनिक सेवा आदि के क्षेत्र से सम्बन्धित विभिन्न महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ दीं। यह कार्यक्रम दो चरणों में आयोजित हुआ। प्रथम चरण में हाईस्कूल के छात्र–छात्राओं ने भाग लिया और अतिथियों से कैरियर से सम्बन्धित प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासा शान्त की। अतिथियों ने छात्र–छात्राओं द्वारा पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर दिये। दोपहर के सत्र में हायर सेकेण्डरी के छात्र–छात्राओं के लिए विभिन्न प्रकार के क्षेत्रों से सम्बन्धित रोचक जानकारियों प्रदान की गयीं। इस अवसर पर नवांकुर के प्राचार्य श्री शैलेन्द्र दीक्षित सहित विद्यालय–परिवार के सभी शिक्षक/शिक्षिकाएँ उपस्थित थे। हाईस्कूल और हायरसेकेण्डरी के सभी छात्र–छात्राओं ने इस सेमीनार में भाग लिय और अतिथियों की सराहना की।

नवांकुर में सांस्कृतिक-उत्सव के दौरान छात्रों ने दी रंगारंग प्रस्तुतियाँ

नवांकुर विद्यापीठ में सांस्कृतिक–सप्ताह का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य में प्रतिदिन प्राथमिक विभाग से लेकर उच्चतर माध्यमिक विभाग के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में युवा–दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय–सेवा–योजना के तत्त्वावधान में विद्यालय के नवीन परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री शैलेन्द्र कुमार दीक्षित, पहलवान सिंह राजपूत और शैलेन्द्र कुमार पिंगले ने सरस्वती माता के समक्ष दीप–प्रज्वलन करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। तत्पश्चात् सामूहिक रूप से सरस्वती–वन्दना का गायन किया गया। इस अवसर पर हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी विभाग के लगभग 150 छात्र–छात्राओं ने अपनी–अपनी प्रस्तुतियाँ

दीं, जिनमें एकल नृत्य, सामूहिक नृत्य, लावणी, भाँगड़ा, पंजाबी ढोल आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

इस दौरान समाज में फैले अन्ध–विश्वास और अशिक्षा पर कुठाराघात करते हुए तथा बेटियों का महत्त्व प्रदर्शित करते हुए लघु नाटिकाओं का प्रस्तुतिकरण भी छात्र–छात्राओं द्वारा किया गया। कक्षा 9 से लेकर 12 तक के सभी छात्र–छात्राएँ तथा नवांकुर विद्यालय–परिवार के (हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी विभाग के) सभी शिक्षक–शिक्षिकाएँ कार्यक्रम–स्थल पर उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की शिक्षिका सुश्री प्रीति चतुर्वेदी ने किया।

नवांकुर में दन्त परीक्षण शिविर का आयोजन

श्री नारायण सदाविशवराव पिंगले स्मृति सेवा संस्थान के तत्त्वावधान में स्व. श्री विद्यानन्द जी तिवारी (विद्दू जी) की पुण्यतिथि, स्व. श्री जे.एन. पौराणिक की जयन्ती, स्व. श्री सन्तोष पिंगले की स्मृति में नवांकुर विद्यापीठ में स्वास्थ्य परिचर्या व दन्त–चिकित्सा–परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक श्री निशंक कुमार जैन मुख्य अतिथि के रूप में, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती मधुलिका अग्रवाल अध्यक्ष के रूप में, विदिशा लोकसभा संसदीय क्षेत्र के अध्यक्ष श्री रितुज ऐलिया, समाजसेवी डॉ. अशोक जी रोहले, श्री महेन्द्रसिंह सूर्यवंशी, पूर्व मण्डी सचिव व समाजसेवी श्री गणेशराम

रघुवंशी, डॉ. सौरभ जैन, डॉ. दीपेश जैन, डॉ. दीपक सिंह चौधरी, श्री सुनील पिंगले व श्री दिलीप देसाइ उपस्थित थे।

इस अवसर पर श्री सुनील पिंगले ने संस्थान द्वारा चलाये जा रहे समाज सेवा के कार्यों पर प्रकाश डाला। नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती मधुलिका अग्रवाल ने समाज सेवा के कार्यों को निष्ठा व लगन से करने की अलख जगायी। विधायक श्री निशंक जैन ने नवांकुर के कार्यों की प्रशंसा करते हुए विधायक–अनुदान–राशि से 1 लाख रुपये राशि विकासखण्ड के जरूरतमन्द बच्चों को पुस्तकों, गणवेश व अन्य पाठ्य–सामग्री पर व्यय करने की घोषणा की।

उपस्थित समाजसेवी श्री महेन्द्रसिंह सूर्यवंशी जी ने कक्षा 10 और कक्षा 12 में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा दो अन्य जरूरतमन्द विद्यार्थियों को 3–3 हजार रुपये पुरस्कार देने की घोषणा की। श्री सुनील पिंगले ने संस्थान की ओर से नवांकुर–संगीत–विद्यालय में संगीत की शिक्षा ले रहे सभी विद्यार्थियों को पुरस्कृत करने की घोषणा की। अन्य सभी अतिथियों ने संस्थान के कार्यों की भूरि–भूरि प्रशंसा की।

प्राचार्य श्री शैलेन्द्र कुमार दीक्षित, केशव लाहौरी, सन्दीप जेतली, सुश्री अरुणा शर्मा ने अतिथियों का फूल मालाओं द्वारा स्वागत किया। विद्यालय के प्राचार्य श्री शैलेन्द्र कुमार दीक्षित ने अतिथियों के स्वागत में भाषण प्रस्तुत किया एवं विद्यालय द्वारा जरूरतमन्द

स्कूल इन्फो

छात्रों के लिए चलायी जा रही मित्र–योजना से अवगत कराया। अतिथि श्री रितुज ऐलिया ने अपने पॉलिटेक्निक कॉलेज, भोपाल में इंजीनियरिंग व एम.बी.ए. में गरीब बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देने की घोषणा की। विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री शैलेन्द्र कुमार पिंगले ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के शिक्षक श्री सन्दीप रावत ने किया व श्री नारायण सदाशिवराव पिंगले (भाऊ साहब) के जीवनवृत्त पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अन्त में उपस्थित चिकित्सकों द्वारा 400 छात्र–छात्राओं का दन्त–परीक्षण किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रातः काल 9 बजे से 11:30 बजे तक दन्त–चिकित्सक श्री सौरभ जैन द्वारा निःशुल्क दन्त परीक्षण किया जाता है।

दशहरा उत्सव पर नवांकुर संगीत विद्यालय के छात्र नगरपालिका अध्यक्ष महोदया से पुरस्कार लेते हुए

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर नवांकुर के विद्यार्थी हुए पुरस्कृत

डॉल्फिन के नन्हें-मुन्नों ने गाँधी-जयन्ती पर रैली निकाल कर स्वच्छता का दिया सन्देश

डॉल्फिन द स्कूल ऑफ विज्डम एवं राष्ट्रीय सेवा–योजना, नवांकुर उ.मा. विद्यालय ने संयुक्त रूप से गाँधी–जयन्ती पर नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए अयोध्या बस्ती तक स्वच्छता का सन्देश देते हुए एक विशाल एवं भव्य रैली निकाली।

सर्वप्रथम विद्यालय–परिसर में डॉल्फिन के नन्हे–मुन्नों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। छात्र संयम जैन ने गाँधी जी का रूप धारण किया, तो छात्र सर्वांग शर्मा ने नरेन्द्र मोदी तथा छात्र नकुल रघुवंशी ने लाल बहादुर शास्त्री जी का रूप धारण किया तथा छात्रा कु. चित्रांशी श्रीवास्तव ने महात्मा गाँधी जी के जीवन पर प्रकाश डाला। छात्रा कु. ईशा तिवारी ने स्वच्छता का सन्देश देते हुए प्रेरक गीत गाया।

राष्ट्रीय–सेवा–योजना के छात्र मयंक भार्गव एवं छात्र अक्षत शर्मा ने अपनी–अपनी गायन–वादन प्रस्तुतियाँ दी। डॉल्फिन के प्राचार्य श्री रमेश कुमार शर्मा ने अपने उद्बोधन में छात्रों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का सन्देश दिया। रासेयो कार्यक्रम–अधिकारी श्री शम्भू सिंह रघुवंशी ने सभी स्वयं सेवकों को एवं डॉल्फिन के छात्र–छात्राओं को 'स्वच्छ–भारत अभियान' के तहत स्वच्छता की शपथ दिलायी। संचालन डॉल्फिन की शिक्षिका सुश्री पलक जैन ने किया।

इसके बाद जन–जागरूकता रैली प्रारम्भ हुई, जिसमें सबसे आगे गाँधी जी, मोदी जी व शास्त्री जी के रूप में तीनों छात्र चल रहे थे। उनके पीछे बैण्ड–दल पूरे जोश में चल रहा था, फिर डॉल्फिन के नन्हे–मुन्ने बच्चे प्रेरक स्लोगन एवं नारे वाली तख्तियाँ हाथ में लेकर चल रहे थे, कुछ छात्र अपने–अपने हाथ में स्वनिर्मित डस्टबिन लेकर चल रहे थे, जिन्हें चौक–चौराहों पर रखते हुए लोगों से आग्रह कर रहे थे कि कचरा इनमें ही डालें। इसके बाद रासेयो के स्वयं–सेवक सार्वजनिक स्थानों पर पेम्फ्लेट्स चिपकाते हुए एवं लोगों को बाँटते हुए रैली में चल रहे थे।

रैली के समापन पर सभी ने मिलकर विद्यालय के परिसर की साफ–सफाई की और स्वच्छ भारत अभियान में अपना सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर वरिष्ठ आचार्य श्री केशव लाहौरी, श्री रामकिशन राठौर एवं रासेयो कार्यक्रम–अधिकारी एवं समस्त स्टॉफ उपस्थित था।

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना, नवांकुर उ.मा.विद्यालय का सात दिवसीय विशेष शिविर सम्पन्न

नवांकुर उ.मा.विद्यालय की रासेयो बालक एवं बालिका इकाई का संयुक्त सात दिवसी विशेष शिविर दिनांक 27.12.2015 से 02.01.2016 तक ग्राम बेंहटा में आयोजित किया गया। ये शिविर इकाई का ग्यारहवाँ शिविर था। इससे पूर्व पचमा, डायला, महागौर, नन्दूपुरा, फतेहपुर, डिढ़ौली, कानीखेड़ी, बालराकलाँ एवं सेमरी में शिविर आयोजित किये जा चुके हैं।

यद्यपि ग्राम बेंहटा गंजबासौदा से 6 किमी. की दूरी पर है, तथापि गाँव में अनेक मूलभूत सुविधाओं की कमी है। खुले में शौच जाना आम बात है। स्वयंसेवकों को ऐसे गाँव में सेवाकार्य करने की आवश्यकता अनुभव की गयी। शिविर हेतु ग्राम बेंहटा का चयन किया गया। कार्ययोजना के अनुसार प्रत्येक दिवस की अलग–अलग थीम एवं थीम के अनुसार कार्यक्रम की रुपरेखा सुनिश्चित की गयी।

प्रथम दिवस – दि. 27.12.2015 को 45 बालक एवं 49 बालिकाएँ कुल 94 स्वयंसेवकों के दल ने ग्राम बेंहटा को प्रस्थान किया। ग्राम में पहुँचकर शासकीय प्राथमिक शाला की आवास–स्थल बनाया। परिसर की सफाई की, ग्राम का भ्रमण किया।

द्वितीय दिवस – दि. 28.12.2015 को शिविर का विधिवत उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में ग्राम के सरपंच श्री हिम्मत सिंह रघुवंशी, मण्डी अध्यक्ष श्री नरेन्द्रसिंह रघुवंशी, प्राथमिक शाला प्रभारी श्री गोविन्दसिंह

कुशवाह अतिथिगण के रूप में उपस्थिति हुए।

शिविर का विधिवत उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में ग्राम के सरपंच श्री हिम्मत सिंह रघुवंशी, मण्डी अध्यक्ष श्री नरेन्द्रसिंह रघुवंशी, प्राथमिक शाला प्रभारी श्री गोविन्दसिंह कुशवाह अतिथिगण के रूप में उपस्थिति हुए।

तृतीय दिवस–दि. 29.12.2015 को संस्था के पूर्व स्वयंसेवकों को आमन्त्रित किया गया। जिन्होंने शिविर गतिविधियों से सम्बन्धित जानकारी देकर स्वयंसेवकों को लाभान्वित किया। बौद्धिक सत्र में प्राथमिक विद्यालय बेंहटा और नवांकुर विद्यापीठ के छात्र/छात्राओं की बौद्धिक परिचर्चा आयोजित की गयी। इस दौरान नवांकुर परिवार के वरिष्ठ अध्यापकगण उपस्थित थे। इस अवसर पर छात्र/छात्राओं द्वारा रंगारंग प्रस्तुतियाँ दी गयीं, जिनकी ग्रामवासियों ने भूरि–भूरि प्रशंसा की।

प्रातः काल स्वयं–सेवकों द्वारा ग्राम में एक रैली

निकाली गयी, जिसमें ग्राम वासियों को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से शिक्षा का महत्त्व बताया गया।

रासेयो की बालिका इकाई–प्रभारी सुश्री वन्दना भार्गव के नेतृत्व में ग्राम की बालिकाओं के लिए

राष्ट्रीय सेवा योजना

कला–प्रशिक्षण–शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीण बालिकाओं को मेंहदी, रंगोली, कढ़ाई, बुनाई आदि का प्रशिक्षण दिया गया।

चतुर्थ दिवस – दिनांक 30.12.2015 को क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक माननीय निशंक कुमार जैन की उपस्थिति में जन–समस्या–निराकरण के लिए ग्रामसभा का आयोजन किया गया। जिसकी सूचना प्रातःकाल के समय स्वयंसेवकों ने जन–जागरूकता रैली के माध्यम से ग्रामीणजनों को दे दी थी।

इस अवसर पर विधायक महोदय की उपस्थिति में कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ, जिसमें सर्वप्रथम अतिथियों ने सरस्वती माता का पूजन और दीप–प्रज्वलन किया। तत्पश्चात् सरस्वती–वन्दना का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय–सेवा–योजना प्रभारी श्री शम्भूसिंह रघुवंशी ने स्वागत भाषण दिया। स्वयं–सेविका कु. स्तुति जैन, कु. दीक्षा राजपूत, कु. अनन्या दीक्षित, कु. शिवानी परिहार ने स्वागत–गीत का गायन किया। स्वयं सेवक हेमन्त नरवरिया और पुष्पेन्द्र राजपूत ने अतिथियों का स्वागत किया। तत्पश्चात् स्वयं सेवकों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। स्वयं–सेविका सोनिका बघेल एवं उनके समूह ने घूमर नृत्य तथा शिवानी जायसवाल ने एकल नृत्य प्रस्तुत किया।

इस ग्रामसभा में ग्राम बेंहटा की महिलाएँ एवं पुरुषों सहित लगभग 200 ग्रामीणजनों ने अपनी समस्याएँ अधिकारियों के सामने रखीं, जिनका तुरन्त निराकरण किया गया तथा कुछ समस्याओं का निराकरण करने का निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त तहसीलदार सुश्री निधि वर्मा, जनपद सी.ई.ओ. के.के. मालवीय, कृषि–विभाग के आर.ए.ई. एन.एस. रघुवंशी, शिक्षा–विभाग के बी.आर.सी. श्री महेन्द्र रघुवंशी तथा पुलिस विभाग व सिंचाई विभाग के अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

पूर्व रासेयो प्रभारी श्री सन्दीप रावत ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा रासेयो की बालिका–इकाई–प्रभारी सुश्री वन्दना भार्गव ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। सभी अतिथियों व ग्रामवासियों ने कार्यक्रम की भूरि–भूरि प्रशंसा की। विद्यालय के प्राचार्य श्री शैलेन्द्र दीक्षित, श्री रमेश कुमार शर्मा, श्री केशव लाहौरी, श्री शैलेन्द्र कुमार पिंगले, श्री रामकिशन राठौर, श्री सुनील भावसार और अभिषेक मिश्रा शिविर में उपस्थित थे।

पंचम दिवस – दि. 31.12.2015 को रक्तदाता जागरूकता कार्यक्रम व रक्त–समूह– परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में बासौदा रक्त–सेवा–समिति के संरक्षक श्री राजेश जी तिवारी, अध्यक्ष के रूप में, रक्त–सेवा–समिति के अध्यक्ष श्री राकेश जी जैन, विशेष अतिथि के रूप में, रक्त–सेवा–समिति के पदाधिकारी श्री सी.के. जैन एवं श्री सुनील अहिरवार व शासकीय विद्यालय ग्राम बेंहटा के प्रधानाचार्य श्री गोविन्द कुशवाह जी उपस्थित थे।

इस अवसर पर स्वयं सेवक मोहित रघुवंशी, सलमान खान, कु. मनीषा शर्मा, कु. शिवानी जायसवाल ने सभी अतिथियों का अक्षत्, रोली एवं राष्ट्रीय सेवा–योजना का बैज लगाकर स्वागत किया। तत्पश्चात् रासेयो कार्यक्रम–अधिकारी श्री शम्भूसिंह रघुवंशी ने स्वागत–भाषण प्रस्तुत किया। ग्रामवासियों को रक्त–दान करने की प्रेरणा देने के उद्देश्य से बालक समूह की ओर से ''रक्तदान–महादान'' नाटक का प्रस्तुतिकरण किया गया, तो बालिका–समूह की ओर से ''अनपढ़ बीबी'' नाटक के माध्यम से अशिक्षा पर कुठाराघात किया गया। इस अवसर पर रासेयो बालिका–समूह ने रक्तदान–प्रेरक गीत प्रस्तुत

राष्ट्रीय सेवा योजना

किया।

मुख्य अतिथि श्री राजेश तिवारी ने नवांकुर रासेयो के कामों की भूरि–भूर प्रशंसा की और 'अपनी जय–जयकार, समाज व राष्ट्र की जय–जयकार' के सन्देश से भी विद्यार्थियों में युवा–शक्ति जगाने का सन्देश दिया, उनके ओजस्वी वक्तव्य से समस्त जन–समुदाय प्रभावित हुआ। उपस्थित सभी अतिथियों ने नवांकुर–रासेयो के कार्यों की प्रशंसा की। कार्यक्रम के अन्त में बालिका–इकाई–प्रभारी सुश्री वन्दना भार्गव ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। साथ ही, घूँघट–प्रथा पर दृष्टिपात करते हुए गीत प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का संचालन स्वयं–सेवक छात्र अभिषेक पाठक व कु. श्रुतिका नेमा ने किया। अन्त में रक्त–समूह–परीक्षण–शिविर का शुभारम्भ हुआ, जिसमें 117 ग्रामवासियों का रक्त–समूह–परीक्षण किया गया। विद्यालय के प्राचार्य शैलेन्द्र कुमार दीक्षित, केशव लाहौरी व सन्दीप रावत इस दौरान शिविर में उपस्थित थे।

षष्ठ दिवस – दि. 01.01.2016 'मातृशक्ति' को समर्पित था। महिला–सशक्तिकरण कार्यक्रम व कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में जनपद अध्यक्ष श्रीमती अंजलि यादव, अध्यक्ष के रूप में पूर्व (रासेयो बालिका–इकाई) प्रभारी श्रीमती रेणु श्रीवास्तव, विशेष अतिथि के रूप में महिला–मोर्चा की लक्ष्मी शर्मा व शबनम बी उपस्थित थीं।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में सरस्वती–पूजन व दीप–प्रज्वलन का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। तत्पश्चात् सरस्वती–वन्दना का गायन किया गया। बालिका–इकाई–प्रभारी वन्दना भार्गव ने स्वागत–भाषण

दिया व गीत का गायन किया। इस अवसर पर स्वयं–सेवकों ने दहेज प्रथा पर कुठाराघात करते हुए एक लघु नाटिका प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें नगर के प्रसिद्ध कवि नीलेश चतुर्वेदी, ध्रुव शर्मा, कमलेश बंसल, आशीष दुबे तथा रासेयो–प्रभारी शम्भूसिंह रघुवंशी ने अपनी कविताओं का वाचन किया। इस अवसर पर बड़ी तादाद में ग्राम की महिलाएँ उपस्थित थीं। सभी ने कार्यक्रम की सराहना की। आशीष दुबे ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा अन्त में, विद्यालय के प्राचार्य श्री शैलेन्द्र दीक्षित ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

सप्तम् दिवस – दिनांक 02.01.2016 को विशेष शिविर का भव्य समापन–समारोह आयोजित किया गया, जिसमें अध्यक्ष के रूप में नागरिक सेवा समिति के अध्यक्ष और प्रसिद्ध समाजसेवी श्री कान्तिभाई शाह, मुख्य अतिथि नागरिक सेवा समिति के प्रवक्ता श्री सुरेश तनवानी, विशेष अतिथि रासेयो के जिला–संगठक श्री प्रदीप कुमार जगा, संजय गाँधी स्मृति–महाविद्यालय के प्राचार्य श्री मणिमोहन

राष्ट्रीय सेवा योजना

मेहता, जिला शिक्षा अधिकारी श्री एच.एन. नेमा, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य श्री ज्ञानप्रकाश भार्गव, प्रभारी बी.ई.ओ. श्री कपिल तिवारी, वी.आर.सी. श्री अनिरुद्ध डिम्हा व श्री महेन्द्रसिंह रघुवंशी, एन.एस.एस. के अनुभवी छात्र श्री दीपेश अहिरवार उपस्थित थे।

कार्यक्रम का प्रारम्भ अतिथियों द्वारा सरस्वती–पूजन व दीप–प्रज्वलन से हुआ। तत्पश्चात् कु. अनन्या दीक्षित, कु. स्तुति जैन, कु. दीपाली शर्मा और कु. नन्दिनी दुबे द्वारा सरस्वती वन्दना का गायन किया गया। शुभम बघेल, सुमित रघुवंशी, सुषमा विश्वास और केशू जैन ने रोली, अक्षत व रासेयो बैज लगाकर अतिथियों का स्वागत किया। कु. अनन्या, कु. स्तुति और कु. दीपाली शर्मा ने स्वागत गीत गाया। इस अवसर पर रासेयो के नवांकुर–प्रभारी श्री शम्भूसिंह रघुवंशी ने शिविर के अनुभव उपस्थित अतिथियों और ग्रामवासियों के समक्ष साझा किये। बालिका इकाई–प्रभारी सुश्री वन्दना भार्गव ने सातों दिन के कार्यक्रमों का विवरण दिया। बालिका–इकाई की तरफ से ''भाँगड़ा'' नृत्य प्रस्तुत किया गया और स्वयंसेवक बालकों

द्वारा अन्धविश्वास पर कुठाराघात करते हुए "तुम भी कर सकते हो'' एक लघु नाटिका प्रस्तुत की गयी। कु. सोनिका बघेल और कु. शिवानी जायसवाल ने नृत्य का प्रदर्शन किया। कु. सुमन सौजन्य ने रासेयो ध्वज की जानकारी और कु. भावना जैन ने स्वच्छता का महत्त्व बताया।

कला–प्रशिक्षण के दौरान कढ़ाई, पेण्टिग, मेंहदी, क्रोशिया और रंगोली में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त ग्रामवासियों को प्रमाण–पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। स्वयंसेवक चि. महेन्द्र सिंह रघुवंशी, चि. अभिषेक पाठक को शिविर का सर्वश्रेष्ठ स्वयं सेवक तथा कु. सोनिका बघेल, कु. शिवानी जायसवाल को सर्वश्रेष्ठ स्वयं–सेविका चुना गया। जिला–शिक्षा–अधिकारी श्री एच.एन. नेमा, श्री ज्ञानप्रकाश भार्गव, श्री सुरेश तनवानी, श्री पी.के. जगा, श्री मणिमोहन मेहता आदि अतिथियों ने अपना सम्बोधन दिया। अध्यक्ष श्री कान्तिभाई द्वारा इस अवसर पर 15 निर्धन ग्रामवासियों को कम्बलों का वितरण किया गया तथा ग्राम बेंहटा में नवांकुर के तत्त्वावधान में 3 शौचालय निर्माण करवाने की घोषणा भी की। आपने अपने संबोधन में नवांकुर के कार्यों की भरपूर सराहना करते हुए "नवांकुर जिन्दाबाद' की उद्घघोषणा की। सभी ग्रामवासियों, अतिथियों ने नवांकुर रासेयो के कार्यों की भूरि–भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर नवांकुर–परिवार के प्राचार्य श्री शैलेन्द्र कुमार दीक्षित, श्री रमेश शर्मा, पहलवान सिंह राजपूत, केशव लाहौरी, सन्दीप जेतली, रामकिशन राठौर, शैलेन्द्र कुमार पिंगले, अविनाश डोंगरे, ओ.पी. श्रीवास्तव, सुनील भावसार, वासुदेव शर्मा, अभिषेक मिश्रा, आशीष मिश्रा, राजूलाल, जवाहरलाल और मुकेश शर्मा उपस्थित थे। शिक्षक सन्दीप रावत और स्वयं–सेवक अभिषेक पाठक ने कार्यक्रम का संचालन किया। प्राचार्य श्री शैलेन्द्र कुमार दीक्षित ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय विशेष शिविर में स्वयंसेवकों द्वारा शिविर दिनचर्या का पालन करते हुए विभिन्न परियोजना कार्यों एवं सांस्कृति बौद्धिक गतिविधियों को सम्पन्न किया गया।

परियोजना कार्यों के अन्तर्गत किये गये कार्य –

1. ग्राम शाला में शिविर–परिसर का निर्माण।
2. ग्राम के प्रमुख मार्गों की सफाई एवं मरम्मत।
3. साक्षरता, स्वास्थ्य, आर्थिक सर्वेक्षण।
4. नशामुक्ति हेतु जन–जागरण।
5. पर्यावरण–जागरुकता हेतु रैली।
6. जल स्रोतों के संरक्षण एवं जल संग्रहण हेतु जन–जागरण।
7. दहेज–प्रथा, पर्दा–प्रथा, अन्धविश्वास के विरोध में जन–जागरण हेतु नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में नाटकों का मंचन एवं नृत्यों का आयोजन।
8. भजन–सन्ध्या, लोक–नृत्यों का आयोजन।
9. रक्त–समूह–परीक्षण–शिविर का आयोजन।
10. ग्रामीण महिलाओं एवं बालिकाओं हेतु कला–प्रशिक्षण शिविर में कढ़ाई, बुनाई, मेंहदी, रंगोली का प्रशिक्षण।
11. 'स्वच्छ भारत अभियान' अन्तर्गत शौचालय निर्माण की अभिनव पहल।

इस प्रकार सात दिवसीय विशेष शिविर में शिक्षा की वर्तमान परिस्थिति के अनुरुप अधिक संगत बनाते हुए, समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु स्वयंसेवकों को ग्रामीण जीवन का प्रत्यक्ष परिचय कराकर ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। समाज के प्रति अनुशासन पूर्ण स्वस्थ तथा सहायक मनोवृत्तियों के विकास करने में यह शिविर स्वयं सेवकों के लिए लाभदायी, प्रेरक, अनुभूत मृदुल स्मरणीय रहेगा।

विद्यालय की पत्रिका क्रमशः का विमोचन एवं काव्य संगोष्ठी का आयोजन

भव्यतापूर्वक मनाया रा.से.यो. दिवस

नवांकुर उ.मा. विद्यालय की राष्ट्रीय सेवा–योजना की बालक एवं बालिका इकाइयों द्वारा रासेयो–दिवस भव्यतापूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम विद्यालय के नवीन परिसर में माँ सरस्वती के पूजन–अर्चन से प्रारम्भ हुआ।

इस अवसर पर कु. मनीषा शर्मा, मुख्य अतिथि के रूप में, कु. क्षमा राय विशेष अतिथि एवं अभिषेक पाठक कार्यक्रम–अध्यक्ष के रूप में उपस्थित हुए। कु. कृतिका चौधरी ने रासेयो–दिवस पर अपने विचार व्यक्त किये। मयंक भार्गव, अक्षत शर्मा ने मधुर कण्ठ से राष्ट्रीय–सेवा–योजना के गीतों का गायन किया। कार्यक्रम–अधिकारी श्री शम्भूसिंह रघुवंशी ने रासेयो– दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए व्यक्तित्व–विकास के महत्तव पर प्रकाश डाला। बालिका–इकाई–कार्यक्रम अधिकारी सुश्री वन्दना भार्गव ने रासेयो गीत गाते हुए स्वयं–सेवकों को बताया कि शैक्षणिक गतिविधियों के अतिरिक्त सांस्कृतिक एवं बौद्धिक गतिविधियों में भी अपने व्यक्तित्व का विकास करना चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन कु. अनन्या दीक्षित एवं नितिन रिछारिया ने किया। आभार नितिन रिछारिया ने व्यक्त किया।

सम्पादक मण्डल

सलाहकार एवं मार्गदर्शक – **शैलेन्द्र कुमार पिंगले**

प्रधान सम्पादक – **सन्दीप रावत**

सहसम्पादक–**सुनील भावसार, कु. प्रीति चतुर्वेदी**

अतिथि

"प्रकृति"

वृक्षों ने कभी नहीं रखा मानव को दी गई
ऑक्सीजन का हिसाब।
नदियों ने कभी नहीं माँगी अपने,
अमूल्य जल की कीमत।
पर्वतों ने कब दिया है हमें उलाहना,
अपनी ऊँचाई के अभिमान का।
और न ही धरती ने की है शिकायत,
अपने ऊपर बढ़ते बोझ और अत्याचार की।
पर मानव ने स्वार्थवश,
काट दिया वृक्षों को,
अपनी सुख सुविधाओं के लिए,
सुख दिया है नदियों के अपने अभिमान में।
पर मानव! तुम देखना,
प्रकृति जब माँगेगे तुमसे हिसाब।
तुम केवल मूक दर्शक बने,
देखते रहोगे वह ताण्डव।
कभी उसे तुम सुनामी कहोगे,
कभी हुद–हुद या कैटरीना।
पर सदा शान्त रहने वाला समुद्र
जब मचलता है, तो बह जाती है
सारी मक्कारी सारा अभिमान,
और सारी मानवता।
प्रकृति जब रुठती है, तब
काम नहीं आता तुम्हारा धर्म
तुम्हारी राजनति, तुम्हारी सम्पत्ति।
हे मानव! तुम्हें जागना होगा, प्रलय के पहले,
तुम आज ही शुरु कर दो,
नदियों का बचाव, वृक्षों का संरक्षण
और प्रकृति से प्रेम।
देखना, तब तुम जी सकते हो, निश्चिन्त
किसी बच्चे की तरह।

– पंकज शर्मा 'प्रखर'
वरिष्ठ अध्यापक एवं पूर्व सम्पादक क्रमशः

वक्त नहीं

हर खुशी है लोगों के दामन में,
पर एक हँसी के लिए वक्त नहीं।
दिन–रात दौड़ती दुनिया में,
जिन्दगी के लिए ही वक्त नहीं।
माँ की लोरी का एहसास तो है,
पर माँ को माँ कहने का वक्त नहीं।
सारे रिश्तों को तो हम मार चुके,
अब उन्हें दफनाने को भी वक्त नहीं।
सारे नाम मोबाइल में हैं,
पर दोस्ती के लिए ही वक्त नहीं।
गैरों की क्या बात करें,
जब अपनों के लिए ही वक्त नहीं।
आँखों में है नींद बड़ी,
पर सोने का भी वक्त नहीं।
दिल है गमों से भरा हुआ,
पर रोने का भी वक्त नहीं।
पैसों की दौड़ में ऐसे दौड़े,
कि थमने का भी वक्त नहीं।
पराये सपनों की कदर क्या करें,
जब अपने सपनों के लिए ही वक्त नहीं।
तू ही बता ऐ जिन्दगी,
इस जिन्दगी का क्या होगा,
कि हर पल मरने वालों को,
जीने के लिए भी वक्त नहीं।

– कु. शिवानी परिहार
कक्षा–11 (सी1)

आरक्षण

आरक्षण की आग उठी, अब भारतवर्ष महान में,
आरक्षण से उथल–पुथल, है भारत–संविधान में।
संविधान के ज्ञाता भी अब, अपना मुँह हैं मोड़ रहे,
गाँधीवादी बेटे भी अब, मर्यादा को तोड़ रहे।
आरक्षण की आँधी में, अफसर दफ्तर छोड़ रहे,
आरक्षण की आग में, नेता हरा पसीना छोड़ रहे।

जब आरक्षण कानून बना था, सबने शपथ उठाई थी,
एक दशक कानून चलेगा, सबकी यही दुहाई थी।
लेकिन लालच में आकर,
नेता अपने कसमें–वादे भूल गये,
चन्द चांदनी के चक्कर में, अपना मूल ही भूल गये।
भारत माँ की नाक कटा दी, राजधर्म ही भूल गये,
और भारत माँ के बेबस बेटे, फाँसी के फन्दे झूल गये।
आरक्षण को लेकर हमें, नया कानून बनाना है,
तुम कितने पानी में हो, ये संसद को बतलाना है।
आरक्षण का समाधान है, केवल यही तरानों में,
आरक्षण उनको न देंगे, जो सो रहे महल–मकानों में।
आरक्षण उनको देंगे, जिनके घर में न हो खाने को,
आरक्षण उनको देंगे, जो फिरता दाने–दाने को।

– **ध्रुव शर्मा,** युवा कवि
राष्ट्रीय कवि संगम, जिला इकाई विदिशा

पर्यावरण की जंग

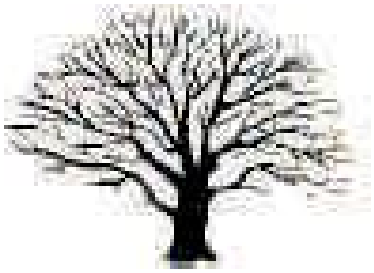

कब तक बनाओगे रेत के महल,
आना होगा आगे लीक से निकलकर
और रखना होगा ख्याल
अपने अस्तित्व का, अपने पर्यावरण का।
सन्देश देना है जगाना है,
जो गफलत की नींद में सो रहे हैं।
प्रदूषण,
ये प्रदूषण चुपके–चुपके दबे पाँव आ रहा है।
सारी दुनिया पर आपदाओं का, सुनामियों का,
अललीनों का खतरा मँडरा रहा है।
कोरी भावनाओं, नारों या वर्ष में
एकबार मनाने वाले वन–महोत्सवों से
कुछ काम न चलेगा।
तुम्हें
त्याग और विश्वास के साथ
मिलकर आगे कदम बढ़ाना होगा,
तभी लड़ पाओगे
इस असन्तुलित पर्यावरण से,
पर्यावरण–सन्तुलन बनाये रखना होगा,
बनानी होगी योजनाएँ,
कायम रखनी होगी महत्त्वाकांक्षाएँ
और करना होगा उनका क्रियान्वयन।
तभी जीत पाओगे, पर्यावरण की जंग।

–सीताराम "मनमौजी",
से.नि. प्रधानाध्यापक, गंजबासौदा

जोशीला गीत

कहीं तुम रुक न जाना, कहीं तुम थम न जाना।
प्रगति की राह में बाधाएँ बहुत आयेंगी,
विपत्तियाँ भी कभी साक्षात् सपनों में डरायेंगी।
कहीं तुम डर न जाना, कहीं तुम थम न जाना।
तुम्हारे रास्ते में भी उफनती नदियाँ आयेंगी,
रोकेगा रास्ता तूफाँ भी और भँवरें डरायेंगी।
बहुत–सी आँधियाँ भी सामने उड़ के तो आयेंगी,
वो पर्वत चोटियां ऊँची निराशा को बढ़ायेंगी।
तो निराश मत होना, धैर्य साहस को मत खोना।
प्रगति की राह में.............
घनेरे जंगलों में भी, घटाएँ काली छा जायें,
चमकती बिजलियाँ बादल,
कड़क कर भी तो कट जायें।
हाथियों की वो चिंघाड़ें, दहाड़ें शेर की आयें,
हो दुर्गम रास्ते भारी, भरे काँटों से आ जायें।
कभी मन न डुलाना, कभी दहशत में मत आना।
प्रगति की राह में.........
तुम्हें तो जाना है आगे, आसमाँ के सितारों से,
तुम्हें तो लाँघना है दरिया को भी उन किनारों से।
अकेले हो कमी ये सोचके अफसोस मत करना,
नहीं है काफिला पीछे, गति को कम नहीं करना।
सदा बढ़ते ही जाना, लक्ष्य को ही है पाना,
प्रगति की राह में बाधाएँ बहुत आयेंगी।
विपत्तियां भी कमी साक्षात् सपने में डरायेंगी।
कहीं तुम डर न जाना, कहीं तुम थम न जाना।

– शिखरचन्द जैन 'शिखर',
गंजबासौदा मो. 9425615029

चेतावनी

बार–बार आती सुनामी,
जंगल–जंगल दहकते दावानल।
ध्रुवों से टूटती बर्फ की चट्टानें,
नष्ट होते जंगल,
ग्रीन हाउसेस का बढ़ता चलन।
घर–घर में फ्रिज, रेफ्रीजरेटर,
कोल्ड हाउस से निकलती गैसें,
नष्ट होती ओजोन परत।
जगह–जगह फटते ज्वालामुखी,
बेमौसम बरसात।
कई वन्य–प्रजातियों की समाप्ति,
गरमी के मौसम में ठण्ड,
ठण्ड के मौसम में गर्मी,
बर्फीली हवाएँ, ओलावृष्टि, इल्ली–पाला,
तुषारापात, बढ़ता तापमान, सूखती नदियाँ,
गिरता भू–जलस्तर, कीटनाशकों की भरमार।
बढ़ती असहिष्णुता, बढ़ता आतंकवाद,
परमाणु–अस्त्रों का निर्माण, नष्ट होती फसलें,
खत्म होती नस्लें।
हमें आगाह कर रही हैं, चेतावनी दे रही हैं
कि हम प्रकृति से खिलवाड़ करेंगे,
कुदरत को छेड़ेंगे,
प्रकृति का अति दोहन करेंगे
तो प्रकृति हमें छोड़ेगी नहीं,
अन्य प्रजातियों की तरह
हमारा लुप्त होना भी निश्चित है।
धरती अनाज उगाना कर देगी बन्द
पृथ्वी पर मानव बचेंगे चन्द
नियति ने बजा दी है खतरे की घण्टी,
ये हमारे ऊपर है कि हम सँभले कि न सँभलें।

–सीताराम "मनमौजी",
से.नि. प्रधानाध्यापक, गंजबासौदा

यात्रा-संस्मरण

मेरी मोगली यात्रा

साथियो,

गुरुजनों एवं माता–पिता के आशीर्वाद से वर्ष 2015 में मैंने 'मोगली–उत्सव', जो मध्य प्रदेश जैव–विविधता बोर्ड की ओर से संचालित होता है, में 10.10.15 से 13.10.2015 तक हमारे जिले विदिशा का प्रतिनिधित्व किया। मोगली–उत्सव में हम मोगली मित्र के रूप में 'पेंच राष्ट्रीय उद्यान' जिला सिवनी में भ्रमण पर गये, तीन दिवसों के इस कार्यक्रम की व्यवस्था पहले से ही निश्चित थी। हमारे ठहरने की व्यवस्था ऑलिव रिसोर्ट्स (Olive Resorts) में की गयी थी। यह ग्राम टुरिया (तहसील–कुरई) के अन्तर्गत स्थित थे। वहाँ पर उपहार के रूप में हमें कई चीजें जैसे–बैग, टिफिन, कम्पॉस बॉक्स और अन्य वस्तुएँ प्रदान की गयीं।

प्रथम दिवसीय कार्यक्रम में हमें सुबह 5:30 बजे तीन ग्रुपों में बाँटा गया– बल्लू का, बघीरा। हमारे जिले विदिशा की टीम 'क' ग्रुप में चयनित हुई। 'क' ग्रुप के लिए आज एडवेंचर गेम्स (Adevnture Games) की व्यवस्था थी। वहाँ पर भी हमें दो उपवर्गों में विभाजित किया गया। हम पहले वर्ग में आये, फिर हमारे वर्ग के लिए सबसे पहले बोटिंग की व्यवस्था थी, जिसमें पानी के साथ अठखेलियाँ करते हुए बहुत मजा आया। उसके बाद रस्सी पर चलने, दीवार पर चढ़ने के खेल हुए। इनमें भी हमें बहुत आनन्द की अनुभूति प्राप्त हुई। दूसरे दिन हमें Resort से करीब 2 कि. मी. दूर पंचगंगा गाँव भ्रमण के लिए जाना था, वहाँ जाने के लिए बस की व्यवस्था थी। वहाँ पर हमने ग्रामीणों को मिट्टी से दीपक, गुल्लक और दुर्गाजी की मूतियाँ आदि बनाते हुए देखा। वहाँ पर हमने मिट्टी को सामान में ढालने की कला का अनुभव किया, तीसरे दिन मेरा जन्मदिन था (दिनांक 12.10.2015), उस दिन सुबह से ही मुझे बधाइयाँ प्राप्त होने लगीं। उस दिन हमें पार्क सफारी के लिए जाना था, मेरा सौभाग्य था कि मुझे जन्मदिन पर अनोखा उपहार प्राप्त हुआ–वन और वन्य प्राणियों का प्रत्यक्ष अनुभव करने का। सुबह 6 बजे हम जिप्सी वाहन के माध्यम से वन और वन्य प्राणियों को देखने के लिए निकले। वहाँ हमने चीतल, साँभर, जंगली मुर्गा, जंगली भैंसा (गौर) और अन्य जीव देखे। वहाँ हमने खैर, बंदरलड्डू (Ghost Tree) आदि अनेक प्रकार के वृक्ष देखे, हमने उन जंगलों को अनुभव किया, जहाँ कभी मोगली रहा करता था। वहाँ हमने एक ऐसा विशिष्ट वृक्ष देखा, जिसमें कुल्हाड़ी से प्रहार करने पर खून निकलता है। वहाँ हमने वृक्षों, मिट्टी पर बाघों के प्रतीक–चिह्न देखे, जिससे बाघ अपने शिकार–क्षेत्र को निश्चित करते हैं। हमने मन में उठने वाले कई प्रश्नों के उत्तर गाइड द्वारा प्राप्त किये।

वन में भ्रमण के पश्चात् हम म्यूजियम देखने गये। वहाँ पर हमने कई जीवों के मॉडल जैसे – चीता, सोन, कुत्ते, गीदड़ आदि देखे। उसके पश्चात् रात्रि में करीब 8 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रारम्भ हुए। चूँकि किसी त्रुटि के कारण विदिशा जिले का नाम नहीं आया था, तब मैंने तात्कालिक नाम देकर प्रस्तुति के अन्तर्गत भारत के बारे में विचार प्रस्तुत किये।

अन्त में, मैं आप सभी से यही कहना चाहूँगा कि आप भी कोशिश कीजिये, मोगली–उत्सव में जाने अवसर प्राप्त कीजिये और मोगली–उत्सव का आनन्द प्राप्त कीजिये।

– **शक्ति विश्वकर्मा,** कक्षा–10 ई

बच्चों की कलम से

मैं भी एक माँ हूँ

मैं कत्लखानों में कसाइयों के सम्मुख ठेल दी जाती हूँ। चार दिनों तक मुझे भूखा रखा जाता है, ताकि मेरा हीमोग्लोबिन गलकर मांस से चिपक जाये, मैं मूर्च्छित हो जाती हूँ। मुझ पर 200 डिग्री सेल्सियस वाष्प में उबलता हुआ पानी डाला जाता है। मैं तड़प उठती हूँ।

हे, मेरे दूध पीने वालो! मैं तुम्हें याद करती हूँ। मुझे कठोरता से पीटा जाता है, ताकि मेरा चमड़ा आसानी से उतर जाये। मेरी दोनों टाँगें बाँधकर मुझे उल्टा लटका दिया जाता है। फिर मेरे बदन से सारा चमड़ा निकाल लिया जाता है।

सुनो जीवधारियो! अब भी मैंने प्राण नहीं त्यागे हैं। मैं कातर निगाहों से देखती हूँ। शायद इन कसाइयों के मन में मनुष्यता का जन्म हो, किन्तु इस समय मुझसे पोषित होने वाला कोई मानव मुझे बचाने नहीं आता है।

मेरे चमड़े की चाहत रखने वाले दुष्ट कसाई मेरी जीवित अवस्था में ही चमड़ा उतार लेते हैं और मैं तड़प कर प्राण त्याग देती हूँ।

इस पावन और पवित्र भारत भूमि पर ऐसा कोई नहीं है क्या, जो धर्म का पालन कर मेरे प्राण बचाये? तुम्हारे द्वारा किये गये क्रूरतम अत्याचारों को सहकर भी मैं शाप नहीं दे सकती, क्योंकि–''मैं भी एक माँ हूँ''।

''गाय बचाओ अभियान''

– विकास गुप्ता, कक्षा–9 जी

उड़ान

कुछ विचार मन में आते हैं
जो जुगनू से झिलमिलाते हैं।
कुछ बिना पंख के पक्षी भी,
अपनी 'उड़ान' पर इतराते हैं।
नन्हीं–सी आँखों के सपनों को,
बड़ा होने की चाहत है।
पर फिर छोटे होने की,
एक हल्की–सी आहट है।
कुछ हवा जरा लग जाये इन्हें,
बस फिर उड़ने लगेंगे।
अपनी कामयाबी का नया,
इतिहास ये गढ़ने लगेंगे।
आज तो बस बीज पड़े हैं,
कल नये अंकुर उपजेंगे।
फिर बनेगा एक पेड़ 'हरा–भरा'।

– कु. रानी शर्मा, कक्षा–10 ई

बापू का सपना

सपना था बापू का एक स्वच्छ भारत हो,
एक सुन्दर भारत हो, एक स्वस्थ भारत हो।
अब प्यारे बापू का ये सपना सच हो,
भारत देश हमारा सबसे अच्छा हो।
पवन स्वच्छ हो, गगन स्वच्छ हो।
हर घर स्वच्छ हो, परिसर स्वच्छ हो,
तन–मन स्वच्छ हो, हर जान स्वच्छ हो।
स्वच्छता के संग जीवन अच्छा हो।
अब प्यारे बापू का ये सपना सच हो,
एक सुन्दर भारत हो, एक स्वच्छ भारत हो।

– सक्षम जैन, कक्षा–7 ब

बच्चों की कलम से

लड़की जब बहू बन गयी ......

कल तक मौज करती लड़की,
अब ससुराल में सेवा करना सीख गयी।
कल तक टीशर्ट और जीन्स पहनती लड़की,
आज साड़ी पहनना सीख गयी।
पीहर में जैसे बहती नदी,
आज ससुराल की नीर बन गयी।
रोज मजे से पैसे खर्च करती लड़की,
आज साग–भाजी का भाव करना सीख गयी।
कुल तक फुल स्पीड में स्कूटी चलाती लड़की,
आज बाइक पर पीछे बैठना सीख गयी।
पीहर में तीन वक्त खाना खाने वाली लड़की,
आज ससुराल में तीन वक्त का
खाना बनाना सीख गयी।
हमेशा जिद करती लड़की,
आज पति से पूछना सीख गयी।
कल तक भाभी के साथ मजाक करती लड़की,
आज जेठानी का आदर करना सीख गयी।
पिता की आँख का पानी,
ससुराल की हिम्मत बन गयी।
.... फिर लोग कहते हैं कि बेटी,
ससुराल में ढलना सीख गयी।

– **कु. डॉली आर्य,** कक्षा–12 जीव विज्ञान

1. जल से बचपन जल से ये वन, जल जीवन संगीत।
सहेज के राखें जल को बन्धु, यही कारगर नीत।।
2. जो दिखता संसार है, सब जल का उपकार।
बिन जल जग की कल्पना, करना है बेकार।।
3 अभी वक्त है सँभल के चलना, सहेज के राखें नीर।
जल बिना जीव है भोगता, बहुत घनेरी पीर।।

खट्टे अंगूर

एक लोमड़ी भूखी–प्यासी,
चली वह ढूँढने खाना।
दिन–भर इधर–उधर घूमी,
मिला न उसे एक दाना।
जंगल में चलते–चलते,
निकल गयी वह दूर।
देखा उसने लटक रहे हैं,
मोटे–मोटे अंगूर।
पके–पके अंगूर देखकर,
आया मुँह में पानी।
उछल–उछलकर लगी पकड़ने,
उन्हें लोमड़ी रानी।
मगर बड़े ऊँचे–ऊँचे थे,
अंगूरों के गुच्छे।
मीठे–मीठे, प्यारे प्यारे,
मोती जैसे अच्छे।
आखिर उनको पकड़ न पायी,
हो गयी थक के चूर।
जाती–जाते मौसी बोली,
कितने खट्टे हैं ये अंगूर।

– **कु. याशिका भार्गव,** 8 अ (डॉल्फिन)

माँ

दुनिया का पहला प्रेम – माँ,
सबसे कीमती वरदान – माँ,
धरती पर ईश्वर की कहानी – माँ,
खुशियों के बाग में बागबान – माँ,
प्रकृति के सौन्दर्य का पहला उपहार – माँ,
काँटों भरी राह में फूलों का अहसास – माँ,
खुशियों के अनमोल खजाने की राह – माँ,
प्यार और डाँट का खट्टा–मीठा खेल – माँ,
गैरों में दुनिया में अपनों का विश्वास – माँ,
कुदरत की सम्पूर्ण व्यवस्थित व्यवस्था – माँ।

– **विकास गुप्ता,** कक्षा– 9 जी

नवांकुर की अभिनव पहल क्रमशः वार्षिक अंक, अप्रैल 2016

आज का भारत

देश मेरा था सोने की चिड़िया।
फेंक के साड़ी उतार के चुड़िया,
अब यहाँ डोले पश्चिमी गुड़िया।
सोना ले गये बेदर्द फिरंगी,
रोये चिड़िया देख पेड़ों की तंगी।
इतिहास था जिसकी महान गाथा,
आज वहाँ समाज बना दोरंगी।
उनके ही तन के दो हिस्से भारत–पाक,
तैयार खड़े लड़ने को परमाणु जंगी।
कहीं खो गये महान् नेता,
देश अब झेले चाले बेढंगी।
उग्रवाद–घपलों से हुई हालत बदरंगी,
इन्तजार है उस खुशनुमा पल का,
जब सन्तों की पावन धरती पर
खिलेगा कोई नेक फरिश्ता, बरसाने को मेघ सतरंगी।

– कु. प्रज्ञा गुर्जर,
कक्षा–7ब (डॉल्फिन)

कविता

बिक गयी है धरती, गगन बिक न जाये।
बिक रहा है पानी, पवन बिक न जाये।
चाँद पर भी बिकने लगी है जमीं,
डर है कि सूरज की तपन बिक न जाये।
हर जगह बिकने लगी है स्वार्थ–नीति,
डर है कि कहीं धर्म बिक न जाये।
देकर दहेज खरीदा गया है अब दूल्हे बिक न जाये।
हर काम की रिश्वत ले रहे हैं अब ये नेता,
कहीं इन्हीं के हाथों वतन बिक न जाये।
सरे आम बिकने लगे हैं अब तो सांसद,
डर है कि कहीं संसद–भवन बिक न जाये।
आदमी मरा तो भी आँखें खुली हुई हैं,
डरता है मुर्दा, कहीं कफन बिक न जाये।

– कु. सोनाली दाँगी
कक्षा–9जी

देश को स्वर्ग बनाओ

मातृभूमि को शीश झुकाकर,
श्रद्धा के दो सुमन चढ़ाओ।
ओ भारत के वीर जवानो,
अपने देश को स्वर्ग बनाओ।
अपने देश में भरो हरियाली,
आसमान भी शरमा जाये।
एकता–रूपी फूल देखकर
नजर चाँद को भी लग जाये।
दूर करो तुम अनमुष्यता,
देश–सुधार में डट जाओ।
भारत के वीर जवानो,
अपने देश को स्वर्ग बनाओ।
भेदभाव के आडम्बर की,
झिल–मिल आओ जला दे होली।
बाँटने एक–दूसरे का दु:ख,
अपने सुख को मारो गोली।
विदेशियों को दूर भगाकर,
आओ स्वदेशी अपनाओ।
भारत के वीर जवानो,
अपने देश को स्वर्ग बनाओ।
मातृभूमि को शीश झुकाकर,
श्रद्धा के दो सुमन चढ़ाओ।
ओ भारत के वीर जवानो,
अपने देश को स्वर्ग बनाओ।

– कु. गोपी कुशवाह, कक्षा–9ब

मनुष्य का अपना क्या है?

जन्म दूसरे ने दिया,
नाम दूसरे ने दिया।
शिक्षा दूसरे ने दी,
रिश्ता भी दूसरे से जुड़ा।
काम करना भी दूसरे ने सिखाया,
अन्त में शमशान भी दूसरे ले जायेंगे।
तुम्हारा इस संसार में क्या है,
जो तुम घमण्ड करते हो!!!

– निखिल रघुवंशी, कक्षा–11 गणित

बच्चों की कलम से

आपका कौन-सा बहाना?

हम अक्सर कामों को टालते रहते हैं और हमें अपनी इस टालमटोली का अहसास भी नहीं होता। यदि आपको भी लगता है कि आप काम का टालते नहीं, बल्कि 'उचित–कारणों' के चलते उसे शुरू नहीं कर पाते, तो फिर इन आम बहानेबाजियों पर एक नजर डाल लें। शायद आपकी आँखें खुल जायें–

1. कुछ खा लेता हूँ। ऊर्जा मिलेगी, तो काम अच्छी तरह होगा और पेट भरा होने के कारण मन भटकेगा भी नहीं और हम खाते ही रह जाते हैं।
2 एक झपकी ले लेता हूँ। फ्रेश माइण्ड से काम बेहतर होगा और स्वाभाविक है कि झपकी कब नींद में बदल जाती है, पता ही नहीं चलता।
3 थोड़ा टी.वी. देख लेता हूँ। बस, पाँच मिनट कपिल की कॉमेडी देख लूँ, तो मूड फ्रेश हो जायेगा ... और पाँच मिनट पाँच घण्टों में बदल जाते हैं।
4. पहले कामों की सूची/समय–सारणी बना लेता हूँ ..... और आप जानते ही हैं कि योजनाएँ बनाना भी काम खत्म करने जैसा आनन्ददायक होता है। फिर कोई काम की जहमत क्यों उठाये।
5. आज तो देर हो गयी। अब काम शुरू भी कर लूँ, तो पूरा ही नहीं हो पायेगा। कल सबसे पहले यही काम पकड़ूँगा।

.....और कल कभी नहीं आता।

– **अमित सिंह गुर्जर**, कक्षा–11 गणित

1 अपने हाथों आप ही, किया कुठाराघात।
वर्षा–जल रोका नहीं, पछतावैं दिन–रात।।
2 जग में जल की बूँद ही, जीवन देती तात।
जल में बसते जीव के, प्राण–पखेरू भ्रात।।
3 शीतल जल पी जीतिए, प्राण उठत ही भोर।
जल से नाता प्राण का, जल ही जीवन–डोर।।
4 नदियों का पानी बहे, कल–कल, छल–छल नीर।
स्वच्छ बनाके रखिये, अपने सरिता–तीर।।
5 जल से शक्ति प्राप्त कर, तन होता बलवान।
वर्षा जल को बचाइये, जो लौं घट में प्रान।।
6 ज्यादा जल सोखेगी धरती, विपुल हो पैदावार।
राशन–संकट दूर हो, जल को सहेजो यार।।

युग-साहित्य की महिमा

युग–साहित्य बदल देगा युग को इसमें सन्देह नहीं है,
नहीं प्रकाश की किरण जहाँ पर, रहता तिमिर वहीं है।
गहन साधना से किया उपार्जित,
युगऋषि ने सद्ज्ञान को,
नवस्वरूप दे किया समन्वय,
अध्यात्म और विज्ञान को,
लुप्तज्ञान की गंगा लाने को,
भगीरथ–सा पुरुषार्थ किया,
परहित किया समर्पित जीवन,
जगहित में निःस्वार्थ किया।
अश्लीलता की सुनामी में,
शालीनता की भीत ढही है,
युग–साहित्य बदल देगा युग को,
इसमें सन्देह नहीं है।
देव–संस्कृति बिलख रही है,
रावण के चंगुल में फँसकर,
निज कर्त्तव्य निभाने में कर दें,
उत्सर्ग प्राण भी हँसकर,
युग–युग तक इतिहास सँजोकर,
गाथा उनकी अमर करेगा,
ज्ञान–मशाल हाथ में लेकर,
युग पुकार सुन निकल पड़ेगा।
आशा–भरी दृष्टि युगद्रष्टा की,
उस सपूत को खोज रही है,
युग–साहित्य बदल देगा युग को
इसमें सन्देह नहीं है।
कितने राज्यों को आश्रय दे,
हम सबको उसने पाला है,
सौभाग्य श्रेय से भर देने को,
फिर से खोज निकाला है।
मेघ बनें उस ज्ञानामृत के,
तृषित धरा पर जाकर बरसें,
तृप्ति–प्रदायक रस–धाराओं में,
बूँद–बूँद जन क्यों तरसें।
दिव्य ज्ञान–अनुदान–प्रदाता,
देवशक्तियाँ सन्तुष्ट रही हैं,
युग–साहित्य बदल देगा युग को
इसमें सन्देह नहीं है।

– **मृदुल शर्मा,** कक्षा–10 "ई"

बच्चों की कलम से

बचपन

एक बचपन का जमाना था,
जिसमें खुशियों का खजाना था।
चाहत चाँद को पाने की थी,
पर दिल तितली का दिवाना था।
खबर न थी कुछ सुबह की,
न शाम का ठिकाना था।
थक कर आना स्कूल से,
पर खेलने भी जाना था।
माँ की कहानी थी,
परियों का फसाना था,
बारिश में कागज की नाव थी,
हर मौसम सुहाना था।
रोने की वजह न थी,
ना हँसने का बहाना था।
क्यूँ हो गये हम इतने बड़े,
इससे अच्छा तो वो बचपन का जमाना था।

– **कु. ऋचा लोधी**, कक्षा–12 जीवविज्ञान

Value of Time

To realize the value of 'One year"
Ask a student who has failed a final exam.
To realize the value of "Onemonth"
Ask a mother who has given birth to a premature baby.
To realize the value of "One week"
Ask an editor of a weekly newspaper.
To realizethe value of "One minute"
Ask the person who has missed the train, bus or plane.
To realize the value of "One second".
Ask a person who has survived an accident.
To realize the value of "one milli second"
Ask the person who has won a
sliver medal in the olympics.
Time waits for no one.
Treasure every moment hou have.
You will treasure it even more
when you can share it with someone special.

- Harsh Jain, Class-7th (Dolphin)

भूल न पायेगे

पाठशाला की घण्टी, बैंच और टाटपट्टी,
बस्ता, किताबें, चॉक और पेम पट्टी।
मास्टरजी की रौबीली आवाज,
पढ़ाने का अनूठा अन्दाज।
प्रेरक व्यक्तित्व, धीर–गम्भीर,
उनकी कही बात पत्थर की लकीर।
ब्लैक–बोर्ड पर चॉक चलाते,
पूरी दुनिया का दर्शन कराते।
कराते नियमों का पालन,
रखते कठोर अनुशासन।
मासूम शरारत जब करते नन्हें शैतान,
खाते बेंत की मार और मुर्गा बन देते बाँग,
पास–फैल की चिन्ता से परे,
परीक्षा की तैयारी मजे में करते,
बच्चे पढ़–पढ़ कर नहीं, खेल–कूद कर थकते।
वो दिन भी क्या दिन थे, मेरे गुरु।

– कु. सौम्या गुप्ता, कक्षा–12 (वाणिज्य)

कविता

काँटों से प्यार
मुझे काँटों पर प्यार आता है।
न खिलने की चिन्ता, न मुरझाने का डर,
न टूटने की चिन्ता, न बिखरने का डर।
इन्हें अटल रहना आता है।
इसलिए मुझे काँटों पर प्यार आता है।
न धूप, न छाँव का असर।
न पानी, न हवाओं का असर,
इन्हें हर मौसम भाता है।
इसलिए मुझे काँटों पर प्यार आता है।
न खुशी की चाहत, न गम में आहत,
इन्हें कोई नहीं अपनाता है।
इसलिए मुझे काँटों पर प्यार आता है।
न श्रद्धा मिलती है, न श्रद्धांजलि देता है,
न बातों में बाँधा जाता, न पैरों से रौंदा जाता,
इन्हें आत्मसम्मान की रक्षा करना आता है।
इसलिए मुझे काँटों पर प्यार आता है।

– कु. प्राची अन्वेकर,
कक्षा–12 (बायो)

बच्चों की कलम से

Books and Authours

Books	Authours
1. Gullivers Trauels	Janathan Swift
2. Panchatantra	Vishnu Sharam
3. Geetanjali	Rabindranath Tagore
4. Ramayan	Valmiki
5. A Tale of Two Cities	Charles Dickens
6. Hamlet	William Shakespeare
7. The Jungle Book	Rudyard Kipling
8. The Treasure Island	R.L. Stuvenson
9. Arthashastra	Chanakya
10. Godan	Premchand

- Monika Vishwakaram
Class - 10th C

First in the world

First country to print book	- China
First country to issue paper currency	- China
First country to start civil services competetion	- China
First country to to make education compulsary	- Prussia
First country to win the football world cup	- Urugway 1930
First country to make a constitution	- USA
First country to to host morden Olympic games	- Greece
First university of the world	- Taxila University.
First religon of the world	- Sanathan Dharam.
First women to climb mount everst	- Junko Tabei (Japan)
First man to draw map of earth	- Anexmender
First man to compile Encyclopedia	- Aspheosis (Athens)
First eldest man to climb Mount Everst	-Richard Wass.
First women president of a country	- Maria Estela (Argentian)

- Avi Richhariya
Class- 10th (Dolphin)

Be positive

Keep your thoughts positive,
Because your thoughts become your words.
Keep your words positive,
Because yor words become your behaviour.
Keep your behaviour positive,
Because your behaviour become your habit.
Keep your habits positive
because your habits becomes your values.
Keep your values positives,
because your values become your destiney.
so, always think positive.

- Monika Vishwakaram
Class - 10th C

देखो हँस न देना....

1. एक का नाम था, 'क्या' और दूसरे का नाम था, 'दिमाग'। दोनों ट्रेन में सफर कर रहे थे, तभी दिमाग वॉशरूम चला गया, फिर टी.सी. आया और क्या से पूछा– तुम्हारा नाम क्या है, तो क्या ने बोला–मेरा नाम क्या है। फिर टी.सी. ने पूछा–जल्दी बताओ, तुम्हारा नाम क्या है। क्या ने बोला–मेरा नाम क्या है। दस मिनट तक ऐसे ही चलता रहा। टी. सी. ने पूछा– तुम्हारा दिमाग कहाँ गया है? क्या ने बोला–वॉशरूम गया है, आता ही होगा।
2. टी.सी.– ये विकलांग लोगों का डिब्बा है। इसमें क्यों सफर कर रहे हो?
   आदमी– सर, ये मेरे साथ में है।
   टी.सी. – ये तो आम हैं।
   आदमी – हाँ, लेकिन ये लंगड़ा आम है।
3. जज–तुम्हारा जुर्म साबित हो चुका है। कल तुम्हें फाँसी पर चढ़ाया जायेगा।
   सन्ता–वो तो ठीक है, लेकिन उतारा कब जायेगा, दुकान भी तो खोलनी है?
4. रमेश–तुम रो क्यों रहे हो?
   सुरेश– मैंने अपने फोन को फ्लाइट मोड पर किया, यह उड़ नहीं रहा।
5. टीचर–बताओ, अगर एक छोटा ग्रह पृथ्वी से टकरा जायेगा, तो क्या होगा?
   मोनू–टन्न की आवाज आयेगी।
   टीचर–क्यों?
   मोनू–क्योंकि ये दुनिया .... ये दुनिया पीतल दी।

– सौम्य जैन, कक्षा–5 स

सामान्य ज्ञान

क्या आप जानते हैं?

1. सबसे बड़ा स्थलीय जन्तु कौन–सा है?
2. हाथी एक दिन में कितना चारा खाता है?
3. ऊँट के मुँह में कुल कितने दाँत होते हैं?
4. ब्लू व्हेल एक दिन में कितना खाना खा सकती है?
5. सबसे जहरीला मेंढ़क कौन–सा होता है?
6. सफेद हाथियों की भूमि किसे कहते हैं?
7. साँपों का देश किसे कहते हैं?
8. प्रकृति का हेलीकॉप्टर किसे कहते हैं?
9. एकमात्र गूँगा जानवर कौन–सा है?
10. बिच्छुओं की औसत उम्र लगभग कितनी होती है?
11. ऊँट दस मिनट में कितने लीटर पानी पी सकता है?
12. भारत में काला तेंदुआ कहाँ पाया जाता है?
13. चीते का जन्म आज से कितने वर्ष पहले हुआ था?
14. भारत में सर्प–उद्यान कहाँ स्थित है?
15. भारत का सबसे बड़ा चिड़ियाघर कौन–सा है?

उत्तर (1) अफ्रीकी हाथी (2) 200 कि.ग्रा. (3) 34 दाँत, (4) 3 टन (5) पॉयजन एरो (6) थाइलैण्ड (7) ब्राजील (8) हमिंगबर्ड (9) जिराफ (10) पांच वर्ष (11) 100 लीटर (12) दक्षिण भारत के जंगलों में (13) 40–60 लाख वर्ष पहले (14) चेन्नई में (15) जूलॉजिकल गार्डन (कोलकाता)।

– कु. आस्था दुबे कक्षा– 9 अ

सामान्य ज्ञान

1. 11 जुलाई, 1987 में विश्व की जनसंख्या 5 अरब हो गयी थी। इसी प्रसंग में 11 जुलाई को विश्व–जनसंख्या–दिवस मनाया जाता है।
2. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या 121,05,69,573 है।
3. प्रति दस वर्ष में जनगणना होती है।
4. सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य उत्तरप्रदेश है। उत्तरप्रदेश की जनसंख्या 19,98,12,341 है। यहाँ देश की लगभग 20 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है।
5. मध्यप्रदेश की जनसंख्या 7,26,26,809 है।
6. संसार की लगभग 17 प्रतिशत जनसंख्या भारत में है।
7. सबसे कम वनक्षेत्र वाला राज्य हरियाणा है।
8. मध्य प्रदेश में 30 प्रतिशत भूमि पर वन है।
9. क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य राजस्थान है।
10. भारत की कुल साक्षरता–दर 73 प्रतिशत है।
11. भारत की कुल महिला साक्षरता–दर 64.5 प्रतिशत है।
12. सर्वाधिक साक्षरता वाला राज्य केरल 84% है।
13. भारत की कुल पुरुष साक्षरता दर 81% है।
14. सबे कम साक्षरता वाला राज्य बिहार 61.8% है।
15. सर्वाधिक गरीब राज्य बिहार है।

– जयदेव ठाकुर, कक्षा–10डी

चुटकुले

पुत्र – पिताजी मुझे ढोलक ला दो।
पिता – नहीं, तुम ढोलक बजा–बजाकर किसी को चैन नहीं लेने दोगे।
पुत्र – पिताजी! जब सब सो जायेंगे तभी बजाऊँगा।

शिक्षक – गाय और ग्वाले में क्या अन्तर है?
विद्यार्थी – गाय शुद्ध दूध देती है और ग्वाला मिलावटी दूध देता है।

भिखारी एक सज्जन से रोज 2 रुपये माँगता था, लेकिन एक दिन वह 3 रुपये माँगता है।
सज्जन बोले – क्यों रोज 2 रुपये माँगते थे, आज 3 रुपये क्यों?
भिखारी – सरकार ने महँगाई–भत्ते में वृद्धि कर दी है, इसलिए महँगाई–भत्ता जोड़कर माँगता रहा हूँ।

– कु. भाग्यश्री लोधी, कक्षा–6 ''स''

नवांकुर खेल अकादमी

नवांकुर विद्यापीठ द्वारा स्थापित

नवांकुर खेल अकादमी, गंजबासौदा के तत्वावधान में

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर-2016

प्रशिक्षण – 1 अप्रेल से प्रारंभ

बच्चों के शारीरिक विकास एवं उनमें खेलों के प्रति रुचि को ध्यान में रखते हुए नवांकुर खेल अकादमी द्वारा ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया है।

जिसमें बच्चे प्रशिक्षित एवं अनुभवी व्यायाम शिक्षकों के मार्गदर्शन में निपुणता व कौशल अर्जित कर विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित कर सकते हैं।

स्थान सीमित हैं, कृपया आज ही पंजीयन करायें।

- समर केम्प में 15 वर्ष की आयु तक छात्र छात्रायें भाग ले सकेंगे।
- समय – प्रातः 5.30 बजे से 8.00 बजे तक एवं शाम 5.00 से 7.00 बजे तक

★ शीघ्रता करें – स्थान सीमित ★ दिनांक 1 अप्रेल से प्रवेश प्रारम्भ हैं

प्रवेश हेतु सम्पर्क करें:

नवांकुर-मुख्य भवन, बरेठ रोड, गंज बासौदा,

सम्पर्क समय : प्रातः 8 से दोप. 12 बजे तक, फोन : 07594 221066, 8982566406 (शिविर प्रभारी)

visit at : www.navankurvidyapeeth.org, email : nvpbsd 2007@rediffmail.com

(क्रियाशील प्रगति परिषद द्वारा संचालित)

नवांकुर संगीत-विद्यालय

(वर्ष 2003 से संचालित)

प्रयाग-संगीत-समिति इलाहाबाद से सम्बद्ध

विगत वर्षों की तरह अब शास्त्रीय संगीत के साथ
सुगम संगीत सीखने का स्वर्णिम अवसर

1 अप्रेल से .....

ग्रीष्मकालीन संगीत कक्षाएँ प्रारम्भ

समय - प्रात: 8 से 11 बजे तक

नवांकुर संगीत विद्यालय की दशहरा उत्सव में प्रस्तुति

- 33 छात्र/छात्राएँ ``प्रभाकर'' उपाधि प्राप्त कर चुके हैं।
- 9 छात्र/छात्राओं ने ``बालरंग उत्सव'' में राज्य स्तर पर भागीदारी की।
- 350 से अधिक छात्र/छात्राएँ विभिन्न मंचों पर अपना कौशल दिखा चुके हैं।

अब आपके पाल्य / पाल्या भी सीखेंगे -

गायन

तबला वादन

हारमोनियम वादन

★ शीघ्रता करें - स्थान सीमित ★ दिनांक 1 अप्रेल से प्रवेश प्रारम्भ

पवेश हेतु सम्पर्क करें:

नवांकुर-मुख्य भवन, बरेठ रोड, गंज बासौदा,

सम्पर्क समय : प्रात: 8 से दोप. 12 बजे तक, फोन : 07594 221066 , 9753609971 (संगीत प्रभारी रामकिशन राठौर)

visit at : www.navankurvidyapeeth.org, email : nvpbsd_2007@rediffmail.com

Kittu Printers-220205